नई दिल्ली
सोमवार, 26 जनवरी 2026
माघ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 284
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 22
न्यून. 11

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अनसुने नायकों को मिला सम्मानः पीपुल्स पद्म की भावना के साथ 45 विभूतियों को पद्मश्री

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पद्म पुरस्कार–2026 की घोषणा के साथ ही इस वर्ष एक बार फिर 'पीपुल्स पद्म' की भावना को केंद्र में रखा गया है। इस बार के पद्म पुरस्कार उन साधारण भारतीयों को समर्पित हैं, जिन्होंने असाधारण परिस्थितियों में असाधारण योगदान देकर समाज और राष्ट्र की सेवा की है। देश के कोने-कोने से आए ये 'अनसुने और अनूठे' नायक व्यक्तिगत संघर्षों, अभावों और त्रासदियों को पार कर न केवल अपने

क्षेत्र में उत्कृष्ट बने, बल्कि आजीवन समाजसेवा को अपना ध्येय बनाया। इस वर्ष सम्मानित होने वालों ▸▸ शेष पेज 7 पर

पद्मश्री से सम्मानित 45 विभूतियां

इनमें अंक गौड़ा, आर्मिडा फर्नांडिस, भगवानदास रायकर, भीकल्या लाडक्या धिंडा, ब्रिज लाल भट्ट, बुधरी ताती, चरन हेम्ब्रम, चिरंजी लाल यादव, धर्मिकलाल चुनिलाल पंड्या, गफरुद्दीन मेवाती जोगी, हाली वार, इंदरजीत सिंह सिद्धू, के पजनीवेल, कैलाश चंद्र पंत, खेमराज सुन्द्रियाल, कोल्लक्कयिल देवकी अम्मा जी, कुमारस्वामी थंगराज, महेंद्र कुमार मिश्रा, मीर हाजीभाई कासमभाई, मोहन नागर, नरेश चंद्र देव वर्मा, निलेश विनोदचंद्र मंडलेवाला, नुरुद्दीन अहमद, ओथुवार तिरुथनी स्वामीनाथन, पद्मा गुरमेट, पोखिला लेखतेपी, पुन्नियमूर्ति नटेसन, आर कृष्णन, रघुपत सिंह, रघुवीर तुकाराम खेड़कर, राजस्थपति ▸▸ शेष पेज 7 पर

'मन की बात' में पीएम मोदी ने देश को किया संबोधित

स्टार्ट अप इंडिया से भजन क्लबिंग तक बात की, युवाओं से आगे आने का किया आह्वान

आज की युवा पीढ़ी ने भक्ति को एक नई शैली दी है और इसके चलते एक नया चलन सामने आया है जिसे 'भजन क्लबिंग' कहा जा रहा है। यह जेन जी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 130वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भजन और कीर्तन हमारी संस्कृति की आत्मा हैं। हम सभी ने बचपन में मंदिरों में भजन सुने हैं, कथाएं सुनी हैं और हर पीढ़ी ने भक्ति को अपने अंदाज में अपनाया है। अब नई पीढ़ी ने इसे और भी खास अंदाज में अपने जीवन और अनुभवों के साथ जोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी ने भक्ति को एक नई शैली दी है और इसके चलते एक नया चलन सामने आया है जिसे 'भजन ▸▸ शेष पेज 7 पर

'मन की बात' कार्यक्रम के 130वें एपिसोड में कई मुद्दों को सामने रखा

लोगों की सराहना भी की

मतदाताओं को बताया लोकतंत्र की आत्मा

पीएम मोदी ने कहा कि आज 25 जनवरी का दिन भी अहम है। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। मैं भी आज आपसे अपनी एक याद को साझा करना चाहता हूं। आज से 10 साल पहले हमने एक शुरुआत की। मैं जिस जर्नी की बात कर रहा हूं, वह स्टार्ट अप इंडिया की जर्नी है।मैं युवाओं से आग्रह करना चाहता हूं कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हम सभी पर एक बड़ी जिम्मेदारी है, वह है गुणवत्ता पर जोर देने की।'स 'यूपी के आजमगढ़ में दिखाई दिया, जहां स्थानीय लोगों ने तमसा नदी को नया जीवन दिया है। अयोध्या से निकल गंगा में समाहित होने वाली ये नदी कभी इस क्षेत्र के लोगों के जीवन की धुरी होती थी, लेकिन प्रदूषण से इन नदी के प्रवाह को रोक दिया। इसके बाद लोगों ने नदी की सफाई की।

स्वच्छता के लिए व्यक्तिगत प्रयासों को जरूरी बताया

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर के फरीदपुर में एक संस्था है विवेकानंद लोक शिक्षा निकेतन। ये संस्था बीते चार दशकों से बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल में जुटी है। ये संस्था गुरुकुल शिक्षा पद्धति, अध्यापकों की ट्रेनिंग और नागरिकों की सेवा के विभिन्न कामों से जुड़ी है। अरुणाचल प्रदेश में लोग जय हिंद ▸▸ शेष पेज 7 पर

शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं व वितरक बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर 26 जनवरी सोमवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। आगामी अंक 28 जनवरी बुधवार को आपके हाथों में होगा। – संपादक

77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता पुरस्कार का ऐलान

शुभांशु को अशोक चक्र बहादुर जवानों को कीर्ति चक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता पुरस्कार के नामों की भी घोषणा हो चुकी है। अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया जाएगा। इसी के साथ सेना के तीन जवानों को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जाएगा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रचा था, उन्हें भारत के सर्वोच्च शांतिकाल का वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। शुभांशु शुक्ला पिछले साल जून में एक्सिओम-4 मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय और आईएसएस ▸▸ शेष पेज 7 पर

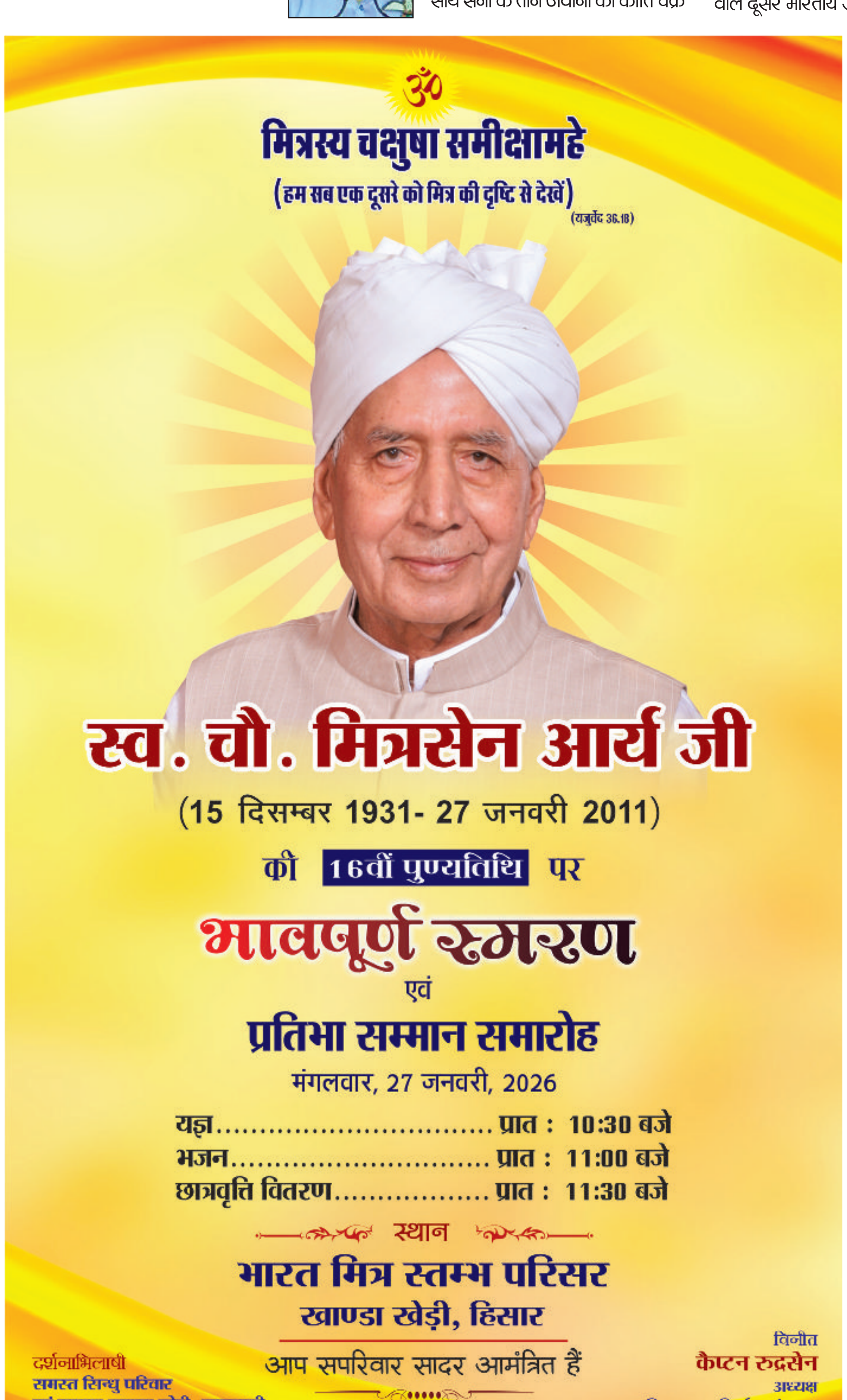

गणतंत्र दिवस पर सीबीआई के 31 अधिकारी–कर्मचारी पुलिस पदकों से सम्मानित

(ब्यूरो)नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस–2026 के अवसर पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के 31 अधिकारी एवं कार्मिकों को उनकी विशिष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (विशिष्ट सेवा) तथा पुलिस पदक (सराहनीय सेवा) से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सीबीआई अधिकारियों द्वारा देशभर में भ्रष्टाचार निरोधक, आर्थिक अपराध, विशेष अपराध तथा प्रशासनिक व तकनीकी क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। राष्ट्रपति पुलिस पदक (विशिष्ट सेवा) कुल छह अधिकारियों/कार्मिकों को प्रदान किए गए हैं। इनमें सीबीआई के दिल्ली जोन प्रमुख आईपीएस अधिकारी चंद्रशेखर वेनुपिल्लैई, पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) अमित श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश शर्मा, उप निरीक्षक प्रमोद कुमार याति, सहायक उप निरीक्षक चमन लाल तथा प्रधान आरक्षक रामु गोल्ला शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं अनुकरणीय सेवा के लिए यह सर्वोच्च पुलिस सम्मान प्रदान किया गया।

वहीं पुलिस पदक (सराहनीय सेवा) से 25 अधिकारियों एवं कार्मिकों को सम्मानित किया गया है। इनमें विभिन्न जोनों और शाखाओं में तैनात आईपीएस अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक, आरक्षक तथा तकनीकी एवं प्रशासनिक पदों पर कार्यरत अधिकारी शामिल हैं। सम्मानित ▸▸ शेष पेज 7 पर

ऑपरेशन कवच के तहत सभी जिलों में हुई धरपकड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर ऑपरेशन कवच-12.0 के तहत नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े अपराधियों और संगठित अपराध के खिलाफ कड़ी कार्रवाई दिल्ली पुलिस द्वारा की गई है। इसके तहत दिल्ली के सभी 15 जिलों में 2348 जगहों पर जिला/यूनिटों, क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल द्वारा एक साथ ऑपरेशन चलाए गए। समन्वित और लक्षित कार्रवाई की एक श्रृंखला में 55 एनडीपीएस मामलों में 59 नशीले पदार्थों के अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में ड्रग्स और नकदी बरामद हुई।

इसके अलावा दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत 231 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 238 व्यक्तियों को गिरफ्तार व हिरासत में लिया गया। इनसे 12 बीयर की बोतलें, 31 बीयर कार्टन, 12 शराब की बोतलें और 50,110 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की गई। 40 ए और बी दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत 1,682 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

गया। 115 आर्म्स एक्ट मामलों में 117 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें दो पिस्तौल, 16 देसी कट्टे, 25 कारतूस, 98 चाकू, 17 मोबाइल और एक एलआर (लाइसेंस प्राप्त प्रतिबंधित हथियार) बरामद किए गए। जुआ अधिनियम के 149 मामलों में 3,51,730 रुपये नकद बरामदगी के साथ 261 व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया। 31 घोषित अपराधियों, 21 ऑटो लिफ्टरों को 33 वाहनों की बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया गया। धारा 66 डीपी अधिनियम के तहत 2276 वाहन भी जब्त किए गए। निवारक कार्रवाई के तहत अपराध करने से रोकने के लिए 703 व्यक्तियों को धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। 4,082 व्यक्तियों को निवारक हिरासत में लिया गया। 25,300 व्यक्तियों को 65 डीपी अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ धारा 128, 129, 126/169 बीएनएसएस और 100 डीपी अधिनियम दिल्ली पुलिस अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की गई। 4,545 बदमाशों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उनकी जांच की गई। 4,714 उल्लंघन करने वालों पर कोटपा के तहत मुकदमा चलाया गया।

वर्ष 2025 के दौरान दिल्ली पुलिस ने 2,154 एनडीपीएस मामलों में 2,853 नशीले पदार्थों के अपराधियों को गिरफ्तार किया था और लगभग 76.827 किलोग्राम हेरोइन/स्मैक, 5480.451 किलोग्राम गांजा, 326.859 किलोग्राम अफीम, 70.178 किलोग्राम चरस, 12.649 किलोग्राम कोकीन और लाखों अल्प्राजोलम, ट्रामाडोल और बुप्रेनोरफिन की टैबलेट बरामद की थी। सभी मोर्चों पर इस खतरे से निपटने के लिए, मई 2023 में पूरे दिल्ली में एक संयुक्त और व्यापक ऑपरेशन (ऑपरेशन कवच) शुरू किया गया था, जिसका मकसद नशीले पदार्थों की तस्करी और वितरण में शामिल व्यक्तियों की पहचान करना और उन्हें गिरफ्तार करना था।

ऑपरेशन कवच 12.0

दिल्ली पुलिस द्वारा ड्रग्स और ड्रग तस्करों के खिलाफ सख्त जीरो टॉलरेंस अप्रोच अपनाया जा रहा है। गणतंत्र दिवस समारोह को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा के निर्देशानुसार इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए, नार्को-अपराधियों और संगठित अपराधियों पर समन्वित छापे की कार्रवाई की योजना बनाई गई। क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल सहित 15 जिलों के सभी पुलिस स्टेशनों से 1059 पुलिस टीमों का गठन किया गया ताकि ऑपरेशन को अंजाम दिया जा सके। ह्यूमन इंटेलिजेंस के साथ-साथ टेक्निकल एनालिसिस के माध्यम से जानकारी विकसित की गई। इन टीमों ने एक साथ छापे मारने के लिए संभावित टारगेट चुने। ईमानदारी और कड़ी मेहनत के बाद इन एक साथ ऑपरेशनों को पूरे दिल्ली में प्रभावी ढंग से अंजाम दिया गया। यह छापेमारी 23 जनवरी शाम छह बजे से शुरू होकर 24 जनवरी को शाम छह बजे तक चली।

अलग-अलग चार ऑपरेशन में दिया था बहादुरी का परिचय

स्पेशल सेल के 13 बहादुरों को वीरता के लिये पुलिस पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली को सुरक्षित माहौल देने के लिये अहम भूमिका अदा करने वाली स्पेशल सेल के 13 बहादुर अफसरों और जवानों को इस बार गणतंत्र दिवस पर वीरता के लिये पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। दिल्ली पुलिस के पीआरओ विभाग ने बताया कि चार ऑपरेशन में बहादुरी का परिचय देने वाले इन जांबाजों ने अपनी जान की बाजी लगा कुख्यात आतंकी और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया।

एडिशनल सीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में एसआई राजीव कुमार और एसआई शिबू आर.एस. को हिजबुल मुजाहिदीन के कुख्यात आतंकी जावेद अहमद मट्टू उर्फ इरशाद अहमल मल्ला को गिरफ्तार करने पर वीरता पदक दिया गया है। इस आतंकी पर 10 लाख रुपये का इनाम था और वह जम्मू-कश्मीर के 11 आतंकी मामलों में वांछित था। इसे टीम ने मयूर विहार, डीएनडी टोल प्लाजा के पास रोका था। मट्टू ने सेल की टीम पर अंधाधुंध गोलियां चलाई। लेकिन बिना भयभीत हुये सेल के तीनों

जांबाजों ने आतंकवादी को घेर लिया और अत्यधिक बहादुरी का परिचय देते हुए उसे काबू कर लिया था। एक अन्य ऑपरेशन में इंस्पेक्टर मनोज के नेतृत्व में एसआई अंशु चौधरी और हवलदार अलीम अहमद ने भी बहादुरी का परिचय दिया था। इन्होंने एनआईए के वांछित रिजवान अली, निवासी दरियागंज को गोलीबारी के बाद पकड़ा था। रिजवान पर 3 लाख रुपये का इनाम था। उसे दिल्ली के तुगलकाबाद गांव के पास रोका गया था। आतंकवादी रिजवान अपने साथियों के साथ पाकिस्तान स्थित आईएसआईएस हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहा था। इस ऑपरेशन में दो पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर रिजवान द्वारा चलाई गई गोलियां लगी थी। एक अन्य ऑपरेशन के लिये इंस्पेक्टर अमित नारा, एसआई ब्रजपाल सिंह, सतीश कुमार और उधम सिंह को वीरता के लिये पुलिस पदक दिया गया है। इस टीम ने कनाडा स्थित नामित आतंकवादी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला के आदेश पर काम कर रहे दो अपराधियों को जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स के लिए काम कर रहे थे को मयूर विहार के पास रोका था। दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। इस ऑपरेशन में अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां सेल के बहादुर जवानों ने अपनी बुलेट प्रूफ जैकेट पर खाई। एक और ऑपरेशन में इंस्पेक्टर निशांत, मंजीत जगलान और एसआई अमित भाटी ने बहादुरी दिखाई थी। अर्श डल्ला से जुड़े दो अपराधी व आतंकियों को इस टीम ने सराय काले खां आईएसबीटी के पास रिंग रोड पर रोक लिया था। अपराधियों को हैंड ग्रेनेड की सुरक्षा पिन हटाने से कुछ सेकंड पहले ही काबू कर लिया गया था।

दिल्ली पुलिस के 33 अधिकारी और जवान राष्ट्रपति पदक से सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के 33 अधिकारियों और जवानों को उनकी सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान किए गए हैं। इनमें 14 वीरता पदक, 2 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 17 सराहनीय सेवा के लिये पदक शामिल है। राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदकः सेवानिवृत्त एसआई गैनेन्द्र सिंह राणा को दिया गया है। वह वर्ष 1986 में दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल (कार्यकारी) के रूप में शामिल हुए थे। लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन और पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन किया। फिंगर प्रिंट ब्यूरो की क्राइम टीम में उन्होंने हजरत निजामुद्दीन थाने के 1989 के एयर-होस्टेस हत्या मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने नागरिक रक्षा समिति योजना के लिए एक जनमत सर्वेक्षण में योगदान दिया और संयुक्त राष्ट्र नशीली दवाओं के दुरुपयोग विरोधी अभियान पर भी काम किया। ट्रैफिक यूनिट में उन्होंने स्कूली बच्चों को ट्रैफिक नियमों के बारे में सिखाया जो गणतंत्र दिवस परेड दल का हिस्सा थे, जिसे 1987 में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया था। उन्होंने एमएचए, राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित फिंगर प्रिंट साइंस और हिंदी शिक्षण प्रज्ञा सहित विभिन्न पाठ्यक्रम पूरे किए। दिल्ली पुलिस अकादमी में उन्होंने संयुक्त निदेशक, डीपीए के स्टाफ अधिकारी के रूप में काम किया और समर्पण के साथ आधिकारिक काम संभाला। उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं, जिसमें स्वतंत्रता दिवस 2013 पर सराहनीय सेवा के लिए पदक शामिल है। महिला एसआई नवल कुमारी 1988 में कांस्टेबल (कार्यकारी) के रूप में दिल्ली पुलिस में शामिल हुई। 1988 से 2000 तक वह सीएडब्ल्यू सेल, नई दिल्ली जिले में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा थी। सीबीआई के साथ तीन साल के प्रतिनियुक्ति के दौरान, उन्होंने छापे और जांच में सक्रिय रूप से भाग लिया। एसपीयूडब्ल्यूएसी ब्रांच में उन्होंने स्कूली लड़कियों और कामकाजी महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया। महिला सुरक्षा अभियानों में भाग लिया और कई मामलों में जांच अधिकारियों की सहायता की। उन्हें उनके योगदान के लिए 2005 में सराहनीय सेवा के लिए पदक सहित कई पुरस्कार मिले हैं। सराहनीय सेवा के लिए पदकः सराहनीय सेवा के लिये पदक पाने वालों में ज्वाइंट सीपी मिलिंद महादेव डुंबरे, एसीपी कृष्ण कुमार, विमल चड्ढा, निशा दीक्षित, इंस्पेक्टर रामपाल बिधूड़ी, सुरेश कुमार, लखन लाल मीना, कुलदीप सिंह, महिला एसआई खिलौनी देवी, विक्रम सिंह, महिला एसआई कला जोशी, एसआई राकेश कुमार वर्मा, कृष्ण कुमार जी, एएसआई राजबीर सिंह, राजेश कुमार यादव और चंदरजीत यादव व सतीश कुमार शामिल है।

डायल ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को वितरित किये रिफ्लेक्टिव जैकेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की नई दिल्ली रेंज के साथ मिलकर आ ई जी आ ई एयरपोर्ट के न्यू उड़ान भवन ऑडिटोरियम में एक कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी गतिविधि का आयोजन किया।

■ 300 यूवी प्रोटेक्टेड धूप के चश्मे भी दिये

इस अवसर पर यातायात पुलिस के कई वरिष्ठ अफसर और डायल के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस पहल के तहत डायल द्वारा ट्रैफिक पुलिस को उनके रोजमर्रा की ड्यूटी में सहायता करने के लिए 300 रिफ्लेक्टिव जैकेट और 300 यूवी प्रोटेक्टेड धूप के चश्मे वितरित किए गये। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस कल्याण-उन्मुख गतिविधि के आयोजन में अपने बहुमूल्य समर्थन के लिए डायल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रशंसा के प्रतीक के रूप में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा डायल के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

स्वचालित सिग्नलिंग का व्यवस्था और सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक नियंत्रण कार्य

निविदा सूचना संख्या: S&T_CON_2025_08, दिनांक: 16-01-2026. निम्नवर्णित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। निविदा संख्या: Dy.CSTE_CON_NJP_2025_08_04_R; कार्य का नाम : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सूर्यकमल से ओल्ड मालदा खंड तक (118 किमी) और कटिहार से मुकुरिया खंड तक (34 किमी) स्वचालित सिग्नलिंग की व्यवस्था का कार्य और ओल्ड मालदा-न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार-मुकुरिया खंड में सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक नियंत्रण (सीटीसी) की व्यवस्था से संबंधित कार्य हेतु परियोजना प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्राधिकृत अभियंता की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रण पत्र (आरएफपी)। कार्य की अनुमानित मूल्य: ₹3,68,42,690/-; अग्रिम राशि: ₹3,34,200/-; निविदा के बंद करने की तिथि और समय 13-02-2026 को 12:00 बजे। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।

उप सीएसटीई/कॉन, न्यू जलपाईगुड़ी

पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC/84BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दिलदार उर्फ नसीम पुत्र अजीजुल निवासी मकान नं. डब्ल्यू–88/208, अमर पार्क, दरभंगा, बिहार और झुग्गी जखीरा, कीर्ति नगर, पश्चिमी दिल्ली** ने **E-FIR No. 019095/23, U/S 379 IPC, अन्तर्गत थाना कीर्ति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिलदार उर्फ नसीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिलदार उर्फ नसीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 019095/23, U/S 379 IPC, अन्तर्गत थाना कीर्ति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दिलदार उर्फ नसीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री वसुंधरा आजाद
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
पश्चिमी जिला, कमरा संख्या 146, प्रथम तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1116/WD/2026(Court Matter)

दिल्ली में बेखौफ बदमाशः शास्त्री पार्क में 32 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजधानी में कानून-व्यवस्था और अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस पर एक बार फिर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में शनिवार रात अज्ञात बदमाशों ने 32 वर्षीय एक युवक की गोली मारकर सरेआम हत्या कर दी गई। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिये स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर हमलावरों की तलाश की जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 11:24 बजे शास्त्री पार्क थाना पुलिस को बुलंद मस्जिद के पास गोलीबारी की सूचना मिली। जब तक पुलिस की टीम मौके पर पहुंचती, घायल युवक के परिजन उसे आनन-फानन में शास्त्री पार्क स्थित जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जा चुके थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान समीर उर्फ मुस्तकीम के रूप में हुई है। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिसिया कार्रवाई और जांच

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों की पहचान करने के लिए बुलंद मस्जिद और आसपास के रास्तों पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि समीर का किसी के साथ कोई पुराना विवाद था या यह आपसी रंजिश का मामला है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि हमलावरों के हुलिए या उनके भागने के रास्ते के बारे में कोई सुराग मिल सके। फिलहाल, पुलिस जांच जारी है।

पुलिस की आगे की कार्रवाई

पुलिस की कई टीमें मामले की जांच में जुटी हुई हैं और जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही हैं। सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

इस घटना ने एक बार फिर दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी में इस तरह की वारदातें आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती हैं। यह घटना दिखाती है कि अपराधियों में कानून का खौफ कम हो रहा है। इसके साथ ही घटना से यह भी साफ होता है कि दिल्ली पुलिस को अपराध नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी गश्त और निगरानी को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

नकली कॉस्मेटिक्स और फार्मास्युटिकल ट्यूब बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने ऑपरेशन कवच के तहत एक बड़ी सफलता में अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का पता लगाया है, जो ब्रांडेड नकली कॉस्मेटिक और फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए खाली ट्यूब बनाने में शामिल थी। इस ऑपरेशन में हाई-एंड मशीनरी और हजारों नकली पैकिंग सामग्री बरामद की गई। पुलिस के अनुसार साइबर सेल की एक विशेष टीम ने बवाना इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर-03 में छापा मारा। छापेमारी के दौरान एक पूरी तरह से चालू मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लोकप्रिय ब्रांडों के लिए नकली खाली ट्यूब बनाने में लगी हुई पाई गई। इनमें बेटनोवेट-सी, फेयर एंड लवली और वीट हेयर रिमूवल क्रीम की ट्यूब प्रमुख तौर पर शामिल थी। बताया जा रहा है कि बवाना यूनिट का मालिक फिलहाल वियतनाम में है। जांच में पता चला कि यह अवैध यूनिट आरोपी प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा चलाई जा रही थी, जो इन खाली ट्यूबों को दिल्ली के बिजवासन में स्थित एक फिलिंग और मैन्युफैक्चरिंग सुविधा को सप्लाई करता था। इससे पहले इस मामले में राम, गौरव भगत, प्रमोद कुमार गुप्ता, राहुल अग्रवाल और अनिल रावत नाम के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

सप्लाई चेन को खत्म किया गया

आगे की कार्रवाई में टीम ने सप्लाई चेन की एक अहम कड़ी सैयद फिरोज हसन (34) निवासी लखनऊ को पकड़ा। वह सदर बाजार, दिल्ली में एक कॉस्मेटिक दुकान चलाता था। पूछताछ के दौरान हसन ने सह-आरोपी राम से नकली क्लोबेटासिल-जी क्रीम खरीदने और उसे सदर बाजार मार्केट में बांटने की बात कबूल की। कच्चे माल के सोर्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क सहित पीछे और आगे की कड़ियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है, ताकि नकली दवा और नकली कॉस्मेटिक की पूरी सप्लाई चेन को पूरी तरह से खत्म किया जा सके।

40 लाख के साइबर फ्रॉड रैकेट में शामिल नेशनल-लेवल शूटर अरेस्ट

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक नेशनल-लेवल शूटर और मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी एक मल्टी-लेयर साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का प्रमुख सदस्य बताया गया है। यह गिरफ्तारी नॉर्थ वेस्ट जिले के साइबर थाने में दर्ज 25 जून 2025 को दर्ज एक ई एफआईआर के तहत की गई है, जिसमें पीड़ित से कुल 40 लाख 27 हजार 98 रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। आरोपी का नाम हिमांशु चौहान उर्फ शूटर निवासी आगरा, उत्तर प्रदेश है। इसने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल और 50 मीटर और 300 मीटर राइफल इवेंट में .22 राइफल का इस्तेमाल करके स्टेट-लेवल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीते हैं। डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार यह पता चला कि पीड़ित को नकली ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म और धोखाधड़ी वाली स्टॉक ट्रेडिंग और आईपीओ निवेश योजनाओं में फंसाया गया। लेनदेन के अलग अलग माध्यमों से पैसे ट्रांसफर करवाये गये। एनसीआरपी पोर्टल के विश्लेषण से पता चला कि एक बैंक खाते के खिलाफ बेंगलुरु और साइबर साउथ पुलिस स्टेशन, मुंबई में 40 संबंधित शिकायतें और दो एफआईआर दर्ज हैं, जो इस धोखाधड़ी के पैन-इंडिया स्वरूप को स्थापित करता है। पहले गिरफ्तार किए गए सह-आरोपियों से लगातार पूछताछ में पता चला कि हिमांशु चौहान ने सिंडिकेट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें उसने व्यक्तियों को प्रति खाता 1 लाख कमाने के वादे पर साइबर फ्रॉड की आय प्राप्त करने के लिए बैंक खाते व्यवस्थित करने के लिए राजी किया था। उसने म्यूल-अकाउंट देने वालों और ऊंचे लेवल के साइबर ऑपरेटरों के बीच एक अहम कड़ी का काम किया और सिस्टमैटिक तरीके से ऐसे अकाउंट एक दूसरे साथी, जो आगरा का रहने वाला है, को आगे पैसे भेजने और धोखे से कमाए गए पैसे को लेयरिंग करने के लिए दिए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोहन लाल, पुत्रः पूरन सिंह, पताः सी–252, सी–ब्लॉक, जेजे कॉलोनी, सेक्टर–24, बुद्ध विहार, रोहिणी, दिल्ली** ने **FIR No. 327/2022, U/s 33 D.Ex. Act, पुलिस थाना बुद्ध विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सोहन लाल** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सोहन लाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 327/2022, U/s 33 D.Ex. Act, पुलिस थाना बुद्ध विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **सोहन लाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री संयम जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04, उत्तर–पश्चिम
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/1099/RD/2026

सीएम रेखा गुप्ता ने दक्षिण दिल्ली की तीन विधानसभाओं में 300 करोड़ के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दक्षिण दिल्ली की तीन विधानसभा क्षेत्रों बदरपुर, संगम विहार और देवली में 300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल बजट का आंकड़ा नहीं, बल्कि दक्षिण दिल्ली के समग्र परिवर्तन का संकल्प है। इन विकास कार्यों में सड़कें, नालियां, ड्रेनेज सिस्टम, पीने का पानी, स्ट्रीट लाइट, पार्क, डिस्पेंसरी और बारातघर की सुविधा शामिल हैं। इन विभिन्न कार्यक्रमों और जनसभाओं में दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजकुमार चौहान, विधायक चंदन

कुमार चौधरी, कई निगम पार्षद व गणमान्य जन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बदरपुर विधानसभा में 85 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह वर्षों से प्रतीक्षित बदलाव की शुरुआत है। ओखला लैंडफिल को समाप्त करने के लिए सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है और क्षेत्र की जनता इस परिवर्तन की प्रत्यक्ष साक्षी बनेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास

■ बदरपुर में 85 करोड़, संगम विहार में 115 करोड़ और देवली में 104 करोड़ रुपये की विकास योजनाएं

कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी, सभी परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से पूरी होंगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सरकार बदरपुर को स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक और दिल्ली का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने संगम विहार विधानसभा में 115 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह उन वर्षों पुराने प्रश्नों का उत्तर है, जो संगम विहार की जनता पूछती रही कि हमारी बारी कब आएगी?" उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने संगम विहार को टूटी सड़कें, ओवरफ्लो सीवर, गंदा पानी और अधूरे वादे दिए, लेकिन अब सरकार हर संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों का व्यापक पुनर्निर्माण, मजबूत सीवर एवं ड्रेनेज प्रणाली, सुदृढ़ पेयजल व्यवस्था, गलियों, नालियों और स्ट्रीट लाइट का सुधार किया जाएगा, जिससे लाखों नागरिकों का जीवन अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक बनेगा। मुख्यमंत्री ने देवली विधानसभा में 104 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की शुरुआत करते हुए कहा कि यह विकसित दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

किराड़ी : वायरल तस्वीरों के बाद हरकत में आया शासन -प्रशासन

■ शर्मा कॉलोनी में लोगों ने जलभराव से जताई राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। दिल्ली के किराड़ी विधानसभा अंतर्गत शर्मा कॉलोनी की बदहाल स्थिति की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आखिरकार शासन-प्रशासन हरकत में आ गया है। लंबे समय से जलभराव, गंदगी और मच्छरों की समस्या से जूझ रही शर्मा कॉलोनी में अब राहत कार्य तेजी से शुरू कर दिए गए हैं। बता दें कि हाल ही में यहां क्षेत्रीय सांसद योगेंद्र चांदालिया और विधायक अनिल झा ने भी निरीक्षण किया है और दोनों ने यहां की अव्यवस्थाओं को लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप भी लगाए। वहीं, दिल्ली नगर निगम की पार्षद ममता दीपक गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र की जमीनी स्थिति सामने आने के बाद दिल्ली सरकार के सभी संबंधित विभाग सक्रिय हुए और जमीनी स्तर पर काम शुरू हुआ। शर्मा कॉलोनी में पानी की निकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी नालियों की व्यापक सफाई कराई जा रही है। वर्षों से बंद पड़ी नालियों को खुलवाया गया है ताकि बारिश और गंदे पानी का बहाव बाधित न हो। पार्षद ममता दीपक गुप्ता ने आश्वासन दिया कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक सफाई और जल निकासी का कार्य लगातार जारी रहेगा। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ काम करने की अपील की, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न बने। पार्षद ममता के अनुसार, जहां नालियों के माध्यम से पानी की निकासी संभव नहीं थी, वहां अस्थायी निकासी मार्ग बनवाकर पंपों की मदद से जमा गंदे पानी को बाहर निकलवाया जा रहा है। इससे कॉलोनी की गलियों में फैले जलभराव से लोगों को धीरे-धीरे राहत मिलने लगी है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) संदीप पुत्र सतवीर निवासी मकान नं. 10, गली नं. 5, प्रकाश विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश (2) अमित पुत्र भंवर सिंह निवासी 1/2/2, गरिमा गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी (3) नूर हसन पुत्र इबले हसन निवासी एच–ब्लॉक, गली नंबर जीरो, शहीद नगर, गाजियाबाद, यूपी (4) मनोज पुत्र ओमपाल सिंह निवासी मकान नंबर 308, सी–ब्लॉक, शालीमार गार्डन, गाजियाबाद, यूपी (5) सलीम पुत्र रफीक निवासी ई–59/ए–182, कलंदर कॉलोनी, दिलशाद गार्डन, दिल्ली (6) राशिद पुत्र रियाजुद्दीन निवासी मौसम विहार, पनसौंडा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी (7) अखिल पुत्र फकीर अहमद निवासी मकान नंबर 16/1, सना मस्जिद, इकबाल कॉलोनी, गरिमा गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी और (8) सोनू पुत्र नवाब निवासी सी–395, गली नंबर–3, पप्पू कॉलोनी, साहिबाबाद, यूपी** ने **FIR No. 399/2015, U/S 12/09/55 G. Act, अन्तर्गत थाना सीमापुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि **उपर्युक्त सभी अभियुक्त** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **उपर्युक्त सभी अभियुक्त** फरार हो गए है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहे हैं)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 399/2015, U/S 12/09/55 G. Act, अन्तर्गत थाना सीमापुरी, दिल्ली** के उक्त सभी अभियुक्त **(1) संदीप (2) अमित (3) नूर हसन (4) मनोज (5) सलीम (6) राशिद (7) अखिल** और **(8) सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री आरुषि परवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–02
कमरा नंबर 25
कड़कड़डूमा कोर्ट, शाहदरा, दिल्ली

DP/1134/SHD/2026(Court Matter)

हरियाणा सरकार

गणतंत्र के गौरव गान में, भारत की शान में,
आओ फहराएं तिरंगा, संविधान के सम्मान में

26 जनवरी, 2026

गणतंत्र दिवस

के अवसर पर देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

"गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं !
इस अवसर पर हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं,
जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि
हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।"

- नरेन्द्र मोदी

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

गुमराह होने से बचें कर दाता:एस के राय

गाजियाबाद। नगर निगम तथा शहर का हर नागरिक हाउस टैक्स के निर्णय पर इंतजार में है। शहर के विकास को रफ्तार देने के लिए हाउस टैक्स की अटकी हुई स्थिति का स्पष्ट होना बेहद जरूरी है पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी तथा पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में जनहित याचिका 1427/2025 की हुई है । जिस पर निर्णय आना अभी बाकी है माननीय उच्च न्यायालय में निर्धारित दिनांक पर सुनवाई हो रही है, याचिका कर्ताओं के अधिवक्ताओं का समय से उपस्थित न होना हाउस टैक्स के निर्णय में बाधा उत्पन्न करना ही है।

फरीदाबाद महानगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने हवन कर मनाया सीएम नायब सिंह सैनी का जन्मदिन

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन के अवसर पर फरीदाबाद महानगर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ हवन-यज्ञ का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और सफल कार्यकाल की कामना की गई। हवन कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने की। इस मौके पर वरिष्ठ नेता टिपरचंद शर्मा, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, कविन्द्र चौधरी, वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव अलावलपुर, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

पुलिस के निरीक्षक योगेश कुमार को मिला पुलिस मेडल

फरीदाबाद। 26 जनवरी 2026 के अवसर पर फरीदाबाद पुलिस के निरीक्षक योगेश कुमार को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया है। निरीक्षक योगेश कुमार 28 अक्टूबर 2000 को पुलिस विभाग में सिपाही भर्ती हुए थे। अपने 25 वर्ष के करियर के दौरान वह विभिन्न थानों में नियुक्त रहे। इस दौरान उनके द्वारा विभिन्न मामलों का खुलासा किया गया, जिस पर वर्ष 2022 में केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा उनको उत्कर्ष अनुसंधान अधिकारी के पदक से नवाजा गया था। निरीक्षक योगेश कुमार ने 2023 से 2025 के बीच तकनीकी सहायता व गुप्त सूत्रों से 70 से अधिक साइबर ठगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है।

गणतंत्र को लेकर फरीदाबाद पुलिस की सघन जांच

फरीदाबाद। गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस द्वारा जिले भर में सघन कांबिंग, सर्चिंग की जा रही है। 25 जनवरी को अल सुबह से ही जिला के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान थाना स्तर पर पुलिस टीमों द्वारा व्यक्तियों, वाहनों एवं स्थानों की गहनता से जांच की गई। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से मेट्रो स्टेशन पार्किंग, होटल, धर्मशाला, बस स्टैंड, किरायेदारों के आवास, सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले प्रमुख स्थानों पर विशेष रूप से चेकिंग की गई।

सात लाख 64 हजार रुपए की धोखाधड़ी, खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने व्हाट्सएप हैक कर धोखाधड़ी करने के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले आरोपी नवीन निवासी जिला शेखपुरा बिहार को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ में सेक्टर-6 दिल्ली वासी एक व्यक्ति ने दी अपनी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-4 फरीदाबाद में एक कम्पनी में चीफ फाईनेसर के पद पर काम करता है। 05 अप्रैल को उसके पास कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के नबंर से 1,79546 रूप एवं 9 अप्रैल को उसी नम्बर से 5,86,250 रुपए भेजने का मैसेज आया जिस पर बताये गये खातों में रूपये भी भेज दिए गए। 11 अप्रैल को जब कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कम्पनी का खाता चैक किया गया तो पाया कि 5,86,250 रुपए की पेमेंट सुशांत नाम के व्यक्ति के खाता में व 1,78,546 रुपए की पेमेंट राहुल ट्रेडिंग के नाम के खाता में की हुई है। जिस पर कम्पनी के अकाउंटेंट ने मैनेजिंग डायरेक्टर के नम्बर से पैसे ट्रांसफर करने का मैसेज दिखाया, तो मैनेजर ने कहा कि उसने किसी भी पेमेंट के लिए मैसेज नहीं किया। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।पूछताछ में सामने आया की आरोपी नवीन ने अमन से खाता लेकर आगे ठगो को दिया था। राहुल खाताधारक व अमन को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी दिल्ली मेट्रो में कार्यरत है।

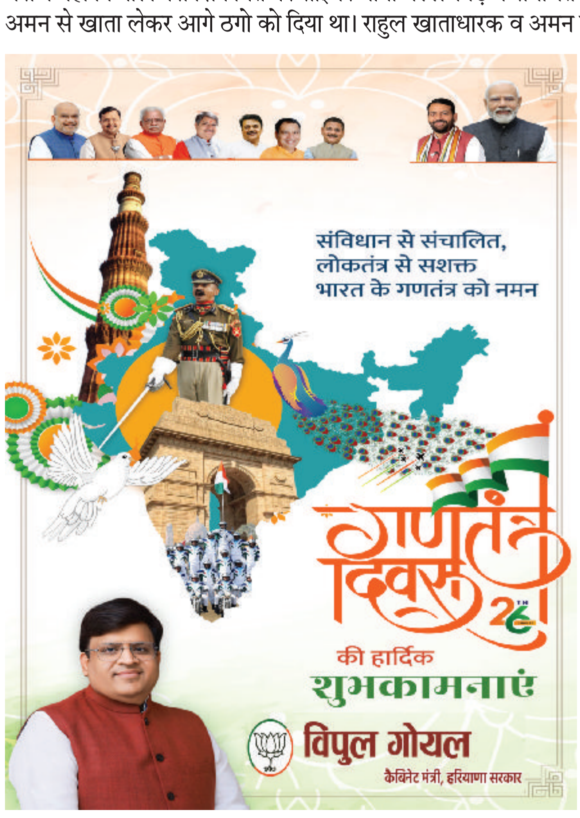

सीएम ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज 2047 के विजन पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मॉडल टाउन स्थित छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। अपने संबोधन में उन्होंने देश और दिल्लीवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रीन एनर्जी व अन्य मामलों और बुनियादी ढांचे पर अपनी सरकार का 11 महीने का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कर्तव्य के प्रति निष्ठा और असाधारण साहस का परिचय देने वाले दिल्ली पुलिस, फायर सर्विस व अन्य विभागों के जवानों को पदकों से सम्मानित किया। समारोह में देश की विविध संस्कृति और देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 जनवरी भारत के आत्मसम्मान, लोकतांत्रिक चेतना और पूर्ण स्वराज के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संविधान निर्माताओं, विशेषकर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन किया। उन्होंने वर्ष 2025-26 को राष्ट्रीय स्मृतियों और प्रेरणाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण वर्ष बताया।

दिल्ली के इतिहास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शहर भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विजन 2047' के साथ विकसित दिल्ली के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बीते 11 महीनों में दिल्ली सरकार ने संवैधानिक मूल्यों और 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के तहत जनकल्याण के कई निर्णय लिए हैं।

'विकसित दिल्ली' के निर्माण के लिए सार्वजनिक किया रोडमैप

रेखा गुप्ता ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को छत्रसाल स्टेडियम से दिल्ली की जनता को संबोधित करते हुए अपनी 11 महीने के कार्यकाल वाली सरकार का व्यापक प्रगति रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में हुए क्रांतिकारी बदलावों का लेखा-जोखा साझा करते हुए 'विकसित दिल्ली' के निर्माण के लिए आगामी रोडमैप को भी सार्वजनिक किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 11 महीने के कार्यकाल में ऐतिहासिक स्मृतियों का सम्मान किया। 'उन्होंने वर्ष 2025-26 को राष्ट्रीय स्मृतियों और प्रेरणाओं का वर्ष बताते हुए कहा कि यह गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ, पंडित मदन मोहन मालवीय की 165वीं जयंती, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती, वंदे मातरम के 150 वर्ष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष का स्मरण वर्ष है।

दिल्ली के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शहर बार-बार लुटने के बावजूद हर बार और अधिक मजबूती के साथ खड़ा हुआ है। दिल्ली केवल इमारतों का शहर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। आज दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विजन 2047' से जुड़कर विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित दिल्ली के लक्ष्य की ओर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। संवैधानिक मूल्यों और प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को आधार बनाकर सरकार ने बीते 11 महीनों में जनकल्याण के अनेक निर्णय लिए हैं, जो जमीन पर वास्तविक बदलाव ला रहे हैं।

खिलाड़ियों को देश में सर्वाधिक सम्मान

खेलों को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों को देश में सबसे अधिक प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। ओलंपिक और पैरालंपिक में स्वर्ण पदक पर 7 करोड़ रुपये, रजत पर 5 करोड़ रुपये और कांस्य पर 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जा रही है। एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भी प्रोत्साहन राशि बढ़ाई गई है। मुंडका में अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के निर्माण का कार्य शुरू किया गया है।

गरीब कल्याण और सुदृढ़ स्वास्थ्य ढांचा

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में 50 अटल कैंटीन शुरू की गई हैं, जहां 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य को सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में बताते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के तहत सरकारी अस्पतालों में आधुनिक आईटी सिस्टम, 1 करोड़ से अधिक आभा आईडी और ऑनलाइन ओपीडी सुविधा शुरू की गई है। आयुष्मान भारत और वय वंदन योजना के माध्यम से अब तक 6 लाख पंजीकरण और 20 हजार मरीजों को लाभ दिया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यरत हैं।

दिल्ली बनेगी एजुकेशन हब

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025-26 के बजट में 21 प्रतिशत राशि शिक्षा के लिए निर्धारित की गई है। दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट 2025 लागू कर निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाई गई है। नरेला में 1 हजार 300 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक एजुकेशन हब विकसित किया जा रहा है। मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति और कक्षा 10-11 के 1,200 टॉपर्स को मुफ्त लैपटॉप दिए जा रहे हैं।

महिला, श्रमिक और सामाजिक सुरक्षा पर मुख्यमंत्री ने बताया कि निर्माण श्रमिकों को आर्थिक सहायता, गिग वर्कर वेलफेयर बोर्ड का गठन, 500 'पालना' क्रेच केंद्र, 5 हजार नई पेंशन, वरिष्ठ नागरिक गृह, दिल्ली विलेज डेवलपमेंट बोर्ड के तहत 1 हजार 700 करोड़ रुपये की परियोजनाएं, झुग्गी क्लस्टरों में 700 करोड़ रुपये के विकास कार्य, 1984 सिख दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरी, प्रवासी कश्मीरी परिवारों और कोविड में दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को सहायता प्रदान की गई है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन ट्रांसपोर्ट

बुनियादी ढांचे और परिवहन पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025-26 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को दोगुना किया गया है। अगले तीन वर्षों में दिल्ली की सभी सार्वजनिक बसों को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य है और 11 हजार इलेक्ट्रिक बसें जोड़ी जाएंगी।

सुरक्षित व समावेशी दिल्ली

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए पिंक कार्ड, ऑटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशन, द्वारका एक्सप्रेसवे, यूईआर-2, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, नए फ्लाईओवर, अंडरपास और एलिवेटेड रोड दिल्ली को डी-कंजेस्ट करने में मदद करेंगे। तिहाड़ जेल को शहर से बाहर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस : कचरे को कला में बदलने की एमसीडी ने पेश की अनोखी मिसाल

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य की दिशा में कचरे एवं बेकार सामग्रियों से एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए कचरे को कला में बदलने की अनोखी मिसाल पेश की है। वार्ड 57 पीतमपुरा से निगम पार्षद डॉ. अमित नागपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में एमसीडी ने बेकार और त्यागी गई सामग्रियों से ऐसी कलाकृतियां तैयार की गई हैं, जो न सिर्फ गणतंत्र दिवस की भावना को दर्शाती हैं, बल्कि स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल दिल्ली का संदेश भी देती हैं। डॉ. अमित नागपाल ने बताया कि इन रचनात्मक कलाकृतियों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि सही सोच और प्रयास से कचरे को भी उपयोगी और आकर्षक बनाया जा सकता है।

दिल्ली सरकार ने कैदियों के लिए की विशेष माफी की घोषणा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी 2026 के अवसर पर दिल्ली सरकार ने पात्र दोषसिद्ध कैदियों को विशेष सरकारी माफी प्रदान करने का निर्णय लिया है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने बताया कि यह माफी उन दोषसिद्ध कैदियों पर लागू होगी, जिन्हें दिल्ली के आपराधिक न्यायालयों द्वारा दंडित किया गया है तथा जो 26 जनवरी 2026 को दिल्ली की केंद्रीय जेलों में या दिल्ली के बाहर स्थित जेलों में सजा काट रहे हैं, बशर्ते वे निर्धारित शर्तों को पूरा करते हों। उन्होंने बताया कि 65 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों एवं महिला कैदियों के लिए माफी योजना इस प्रकार है। 10 वर्ष से अधिक की सजा पर 90 दिन की छूट, 5 वर्ष से अधिक एवं 10 वर्ष तक की सजा पर 60 दिन की छूट, 1 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक की सजा पर 30 दिन और 1 वर्ष तक की सजा पर 20 दिन छूट मिलेगी। सूद ने बताया कि अन्य सभी कैदियों के लिए माफी की सीमा इस प्रकार होगी। इसमें 10 वर्ष से अधिक की सजा पर 60 दिन, 5 वर्ष से अधिक एवं 10 वर्ष तक की सजा पर 45 दिन, 1 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक की सजा पर 30 दिन और 1 वर्ष तक की सजा पर 15 दिन की छूट मिलेगी। गृह मंत्री ने बताया कि वह कैदी जिन्हें मृत्युदंड दिया गया हो या जिनकी मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया हो, निरुद्ध व्यक्ति, सिविल कैदी अथवा सरकारी बकाया की अदायगी से बचने के अपराध में बंद कैदी, एनडीपीएस अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम अथवा जासूसी से संबंधित अपराधों में दोषसिद्ध कैदी, कोर्ट-मार्शल द्वारा दोषसिद्ध, न्यायालय की अवमानना के दोषी, या भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में दोषसिद्ध कैदी, परक्राम्य लिखत अधिनियम एवं अन्य निर्दिष्ट सिविल अपराधों में दोषसिद्ध कैदी हैं वह इस छूट में शामिल नहीं होंगे।

सरकार के दावों की खुली पोल, किसी भी निजी स्कूल ने नहीं की बढ़ी फीस वापस : भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों से बढ़ी फीस पेरेंट्स को वापस कराने को लेकर दिल्ली सरकार को कटघरे में खडा किया है। आप के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी की तरफ से पूछे गए सवालों का शिक्षा मंत्री आशीष सूद से मिले जवाब का हवाला देते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री ने विधानसभा के पटल पर मान लिया है कि पिछले साल मनमाने ढंग से बढ़ाई गई फीस को किसी भी प्राइवेट स्कूल ने पैरेंट्स को वापस नहीं किया है। यह बड़ा खुलासा खुद दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने अपने जवाबों से दे दिया है। सौरभ ने एक्स पर कहा कि विधानसभा सत्र में शिक्षा मंत्री आशीष सूद के जवाबों से निजी स्कूलों के साथ सांठगांठ का पर्दाफाश हुआ। पहला, किसी भी निजी स्कूल ने बढ़ी हुई फीस वापस नहीं ली। दूसरा, निजी स्कूलों के वित्तीय ऑडिट के बावजूद दिल्ली सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। तीसरा, डीएम की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिश के बावजूद डीपीएस स्कूल के खिलाफ छात्रों के उत्पीड़न के लिए कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। और चौथा, दिल्ली सरकार के पास अप्रैल 2025 में फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सौरभ ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही 1 अप्रैल 2025 से शुरू हुए सत्र में लगभग सभी निजी स्कूलों ने अपनी फीस में 20 फीसद से लेकर 80 फीसद तक की भारी बढ़ोतरी की। सौरभ ने कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा सत्र में शिक्षा मंत्री आशीष सूद से सवाल पूछे। जब उनसे पूछा गया कि कितने स्कूलों का ऑडिट कराया गया, तो जवाब मिला कि कुल 1624 स्कूलों का ऑडिट कराया गया है।

प्रदूषण फैलाने वाली 12 इकाइयों पर जड़ा ताला

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने नॉन कन्फर्मिंग क्षेत्रों में संचालित प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए करोल बाग ज़ोन के रेगरपुरा इलाके में 12 इकाइयों को सील कर दिया है। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई नगर निगम की उस निरंतर मुहिम का हिस्सा है, जिसके तहत रिहायशी इलाकों में अवैध और प्रदूषणकारी गतिविधियों पर रोक लगाई जा रही है। निगम के अनुसार, सील की गई इकाइयों में कांच कटिंग, एसिड आधारित आभूषण निर्माण और अन्य खतरनाक प्रक्रियाओं से जुड़े कार्य किए जा रहे थे, जिससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। एमसीडी का कहना है कि इस तरह के एक्शन आने वाले दिनों में भी जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वाली किसी भी इकाई को बख्शा नहीं जाएगा। निगम ने स्पष्ट किया है कि दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य की रक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की टीम ने नजफगढ़ जोन और शाहदरा नॉर्थ जोन के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर मेगा सफाई अभियान चलाया और अतिक्रमण को हटया। बताया गया कि अभियान के दौरान सड़कों, फुटपाथों आदि की व्यापक सफाई की गई। इसके अलावा नालियों से सिल्ट की सफाई, मलबा एवं मिश्रित कचरे को हटाने का कार्य किया गया।

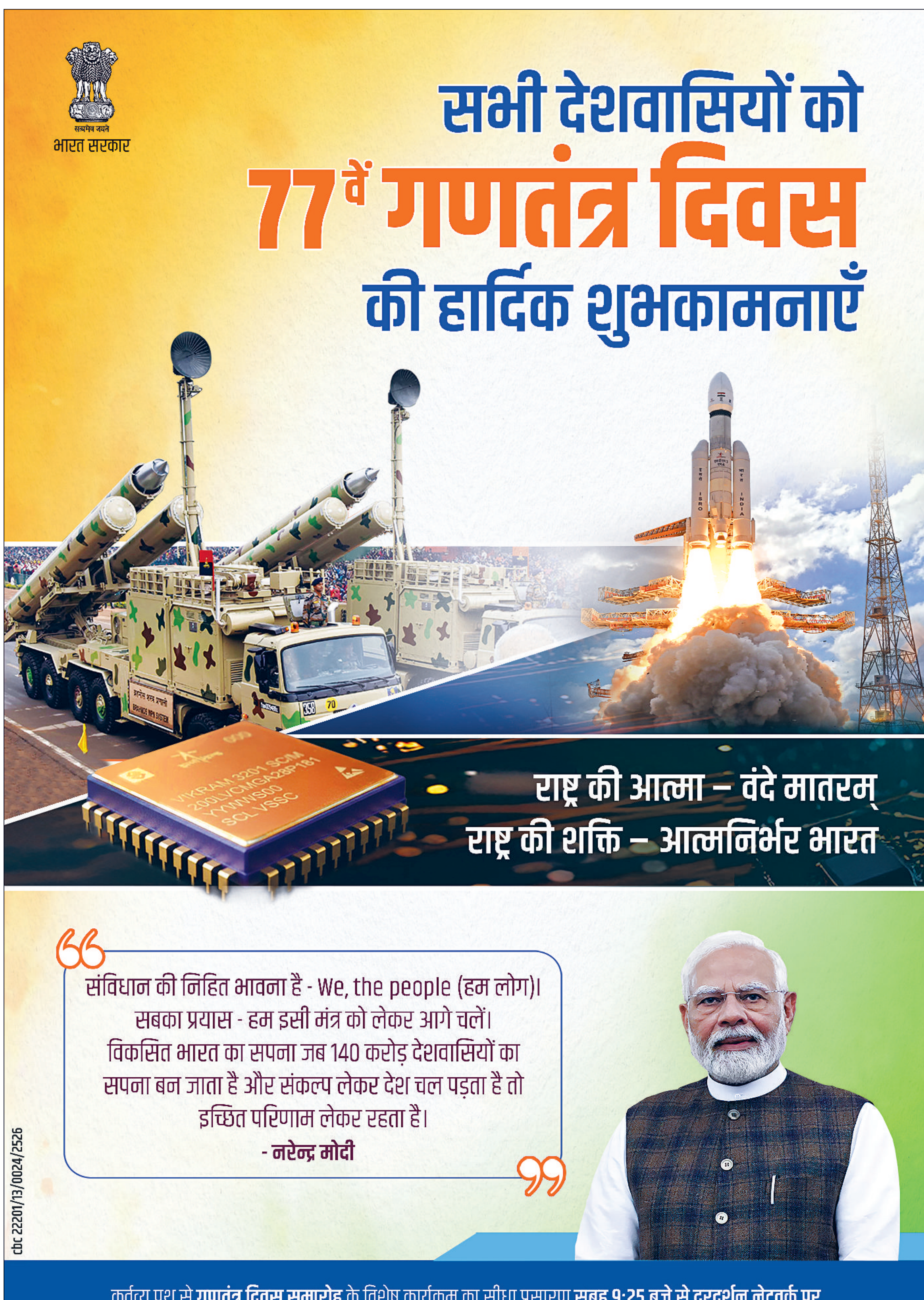

कुछ सफर रिलीज के साथ खत्म नहीं होते : अनिल

मुंबई। साल 2024 में फिल्म 'फाइटर' रिलीज हुई थी। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण अभिनीत यह फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर आई थी। इसमें अनिल कपूर भी अहम रोल में नजर आए थे। इसकी रिलीज को दो साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर अनिल कपूर पुरानी यादों में खो गए हैं। उनका कहना है कि इस फिल्म से जुड़ी यादें आज भी ताजा हैं। उन्होंने 'फाइटर' से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'दो साल बीत गए। 'फाइटर' अब भी ऊंची उड़ान पर है। पीछे मुड़कर देखने पर उन यादों के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं, जो स्क्रीन बंद होने के बाद भी लंबे समय तक रहती हैं। कुछ सफर रिलीज के साथ खत्म नहीं होते।

लाइफ Style

मौनी
इवेंट में हुई छेड़छाड़ पर जताई नाराजगी

अभिनेत्री मौनी रॉय को हाल ही में एक ऐसे घटनाक्रम का सामना करना पड़ा, जिसको लेकर उन्हें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। इस मामले पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है। अभिनेत्री मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि हाल ही में हरियाणा में हुए एक कार्यक्रम में कुछ बुजुर्ग पुरुषों ने उनके साथ छेड़छाड़ की। एक्ट्रेस इस हैरान कर देने वाले घटनाक्रम से सदमे में हैं और उन्हें भारी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। मौनी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। मौनी ने इंस्टाग्राम पर दो स्टोरी साझा की हैं। इनमें उन्होंने लंबे नोट के साथ अपने साथ हुए हादसे का जिक्र किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'पिछले दिनों करनाल में एक कार्यक्रम था और मेहमानों के व्यवहार से मैं बेहद निराश हूं। खासकर उन दो अंकल लोगों के व्यवहार से जो दादा-दादी की उम्र के हैं। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ और मैं मंच की ओर बढ़ी, अंकल और परिवार के सदस्यों सभी पुरुष ने तस्वीरें खींचने के लिए मेरी कमर पर हाथ रख दिया। जब मैंने कहा सर, कृपया अपना हाथ हटा लें, तो उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आया।' अभिनेत्री ने आगे बताया, 'मंच पर तो और भी बुरा हाल था। दो अंकल ठीक मेरे सामने खड़े हो गए और अश्लील टिप्पणियां करने लगे, मुझे अश्लील इशारे करने लगे और गालियां देने लगे। मुझे इसका एहसास हुआ और मैंने पहले तो विनम्रता से उन्हें ऐसा न करने का इशारा किया, जिस पर उन्होंने मुझ पर गुलाब फेंकना शुरू कर दिया।

हॉलीवुड मसाला

लाइवली-टेलर ने जस्टिन पर बोला धावा

लॉस एंजिल्स। टेलर स्विफ्ट और ब्लेक लाइवली की निजी चैट लीक हो गई हैं, जिससे हॉलीवुड में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। टेलर स्विफ्ट और ब्लैक लाइवली एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह ये है कि दोनों की प्राइवेट चैट लीक हो गई है। इस तरह फिल्मी दुनिया में पर्दे के पीछे चल रहे विवाद एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं। हॉलीवुड की चर्चित फिल्म इट एंड्स विद अस से शुरू हुआ विवाद अब एक नया मोड़ ले चुका है। ब्लेक लाइवली और टेलर स्विफ्ट अभिनेता-निर्देशक जस्टिन बाल्डोनी से जुड़े हाई-प्रोफाइल कानूनी विवाद का हिस्सा बन गई हैं।

हॉलीवुड की वो फिल्म जिसमें दिखी महाभारत की झलक

लॉस एंजिल्स। साल 2000 में हॉलीवुड में एक फिल्म आई जिसका नाम था 'द लीजेंड ऑफ बैगर वेंस'। इस फिल्म को बनाने के पीछे का उद्देश्य यूं तो आम सा था, लेकिन असल में फिल्म की कहानी कहीं और सो नहीं बल्कि 'महाभारत' से इंस्पायर्ड थी और फिल्म उस दौर में कल्ट क्लासिक बनी थी। फिल्म की कहानी है उस 'अर्जुन' के ऊपर आधारित थी, जो असल में अपने मन की एकाग्रता खो चुका है और फिर उसके जीवन में एक 'कृष्ण' की एंट्री होती है जो उसकी खोई हुई शक्तियों और उसके आत्मविश्वास को याद दिलाता है। विल स्मिथ और मैट डैमन की फिल्म 'द लीजेंड ऑफ बैगर वेंस' की इसी पर आधारित थी। फिल्म का बैकग्राउंड 1916 के सवाना यानि जॉर्जिया की पृष्ठभूमि पर आधारित था। यहीं पर रन्नुल्फ जूनह का किरदार निभाने वाले मैट डैमन एक समय के बेहतरीन गोल्फर हुआ करते थे, लेकिन प्रथम विश्व युद्ध के सदमे ने उसे अंदर से तोड़ दिया।

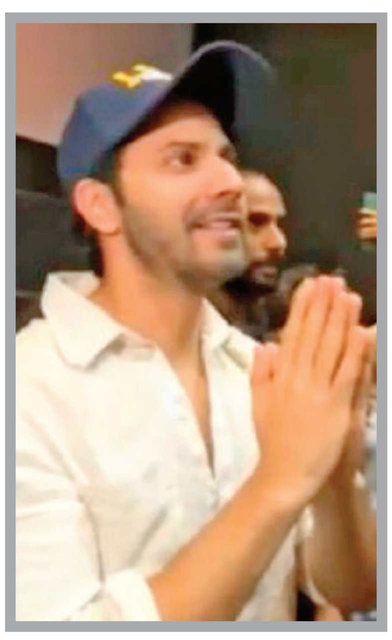

सिनेमाघर पहुंचकर बोला भारत माता की जय

मुंबई। सिनेमाघरों में 23 जनवरी से वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' चल रही है। दर्शक इसे खूब प्यार दे रहे हैं। पहले और दूसरे दिन फिल्म ने अच्छी कमाई की। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी हैं। सभी कलाकार अपने-अपने हिसाब से दर्शकों का आभार जता रहे हैं। इसी कड़ी में वरुण धवन एक सिनेमाघर में पहुंचे और दर्शकों से बातचीत की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि वरुण धवन उस सिनेमाघर में पहुंचे जहां फिल्म 'बॉर्डर 2' चल रही थी। वह जैसे ही यहां पहुंचे सिनेमाघर तेज आवाज और सीटियों से गूंज उठा। वरुण धवन ने दर्शकों से पूछा, 'आप लोगों को फिल्म कैसी लग रही है?' इस पर दर्शकों ने जवाब दिया 'बहुत अच्छी लग रही है।' इसके बाद उन्होंने जोर से भारत माता की जय बोला।

किंग का दमदार टीजर किया जारी...

मुंबई। इस बार क्रिसमस का त्योहार शाहरुख खान के नाम होने वाला है। 'किंग' के टीजर में शाहरुख खान के किरदार का लुक भी सामने आया है। साथ ही फिल्म की कहानी की भी झलक मिली है। शाहरुख खान ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में 'किंग' का दमदार टीजर शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा, 'फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में दहाड़ने के लिए तैयार है।' किंग खान की इस पोस्ट को फैंस ने भी लाइक किया है। वह अपने पसंदीदा एक्टर की फिल्म देखने के लिए एक्साइटेड हैं। फिल्म 'किंग' के टीजर में शाहरुख खान का किरदार पहले एक पहाड़ की चोटी पर नजर आता है। फिर अचानक जोर से चींखता है। इसके बाद एक कांच की छत को तोड़ते हुए शाहरुख का किरदार सामने आता है। वह खून से लथपथ नजर आता है।

टीवी मसाला

कॉमेडी नाइट्स शो छोड़ने का नहीं है कोई मलाल : उपासना

नई दिल्ली। कॉमेडी नाइट्स विद कपिल की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस उपासना सिंह को आज भी लोग पिंकी बुआ के नाम से याद करते हैं। उन्होंने कपिल का शो छोड़ने के बरसों बाद अपनी खामोशी तोड़ी है। अक्सर उनके और कपिल के बीच अनबन की खबरें उड़ती रहती हैं, लेकिन उपासना ने इन सबको अफवाह करार दिया है। उन्होंने बेहद शालीनता से कहा कि उनके मन में शो छोड़ने को लेकर कोई दुख या मलाल नहीं है। उपासना ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि कपिल आज भी उनके छोटे भाई जैसे हैं। फिलहाल वह पंजाबी फिल्मों में काफी बिजी हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी के तौर पर भी बड़ी जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने कलाकारों की पेमेंट समय पर दिलाने और काम के घंटे तय करने जैसे जरूरी मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जब हमने ढाई साल एक साथ काम किया था। बहुत प्यारे दिन थे और मेरा किरदार पिंकी बुआ बहुत पसंद किया गया था, जैसे फिल्म 'जुदाई' का 'अब्बा, जब्बा, डब्बा' वाला किरदार फेमस हुआ था।' उपासना सिंह ने कहा, 'मैं कपिल और सारी टीम के लिए बहुत खुश हूं और मेरे मन में कोई दुख नहीं है कि मैं अब शो का हिस्सा नहीं हूं। मेरा मानना है कि जब तक भगवान ने मेरा काम वहां लिखा था, मैंने किया। मेरा और कपिल का कोई झगड़ा नहीं है।

परिवार की मौत का बदला ही नहीं देश की रक्षा भी बना मकसद

नई दिल्ली। हाल ही में सीरियल 'नागिन 7' शुरू हुआ है। सीरियल में प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल में हैं। जल्द ही आम लड़की पूर्वी नागिन बनकर अपने परिवार की मौत का बदला लेगी। साथ ही सीरियल में वह देश की रक्षा भी करेगी। नाग मणि पान के लिए कुछ लोगों ने मिलकर पूर्वी के परिवार को मार डाला। अब वह अपना नागिन का रूप पहचान चुकी है। उसका एक ही मकसद रह गया है, अपने परिवार की मौत का बदला। उसे हत्यारों के घर में एंट्री ली है। वह एक-एक करके उन लोगों को मारेगी, जो उसके परिवार की मौत के जिम्मेदार हैं। साथ ही यही लोग देश को नुकसान भी पहुंचाने वाले हैं। ऐसे में पूर्वी नागिन बनकर, सभी बुरे लोगों का खात्मा करेगी। दूसरे हफ्ते की टीआरपी रेटिंग में सीरियल 'नागिन 7' को तीसरा स्थान मिला है।

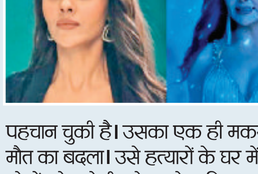

शहीद निर्मलजीत सिंह के परिवार से मिले सनी देओल

मुंबई। इन दिनों फिल्म 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में लगी हुई है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने भारतीय वायुसेना के परमवीर चक्र विजेता शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों का किरदार अदा किया है। सनी देओल ने हाल ही में निर्मलजीत सिंह के परिवार से मुलाकात की। फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन जैसे सितारे नजर आए हैं। यह फिल्म साल 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि हमारी जल, थल और वायुसेना ने किस बहादुरी से दुश्मनों के छक्के छुड़ाए थे। फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने 1971 युद्ध के हीरो शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों की भूमिका निभाई है। सनी देओल हाल ही में निर्मलजीत सिंह के परिवार से मिले। सनी देओल ने आज रविवार को

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें अभिनेता निर्मलजीत सिंह के परिवार के सदस्य के साथ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'हमारे हीरो परमवीर चक्र फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। फिल्म 'बॉर्डर 2' में इनका रोल दिलजीत दोसांझ कर रहे हैं, जिनकी बेमिसाल बहादुरी की सच्ची कहानी आप फिल्म में देखेंगे। उनके परिवार से मिलना बहुत अच्छा और यादगार था'। निर्मलजीत सिंह सेखों ने 1971 के युद्ध में श्रीनगर एयरफील्ड पर पाकिस्तानी जेट हमलों का अकेले मुकाबला किया था। उन्होंने पाकिस्तान के छह फाइटर जेट खदेड़कर भारत माता की सुरक्षा की थी। महज 26 वर्ष की आयु में उन्होंने देश के लिए प्राण नौछावर कर दिए।

ये हैं संविधान की अहमियत बताने वाली फिल्में
मुल्क से लेकर जय भीम तक, संविधान का महत्व समझाती कहानियां

नई दिल्ली। आज हर देशवासी 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह दिन हमें संविधान की अहमियत समझाता है। संविधान हर भारतीय नागरिक के जीवन को कैसे सशक्त बनाता है। हमें हमारे अधिकारों से संविधान परिचित करवाता है। इस अवसर पर आप ऐसी कुछ चर्चित फिल्में भी देख सकते हैं, जो संविधान का महत्व समझाती हैं। कैसे संविधान से एक नागरिक का जीवन बदलता है, उसकी झलक इन फिल्मों की कहानियों में नजर आती है।

मुल्क : ऋषि कपूर स्टारर की फिल्म 'मुल्क' 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक अल्पसंख्यक परिवार की कहानी थी, सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न का शिकार होता है। ऐसे में यह परिवार कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है। इस परिवार की बहू जो पेशे से वकील है, संविधान के आर्टिकल 15 के तहत अपने हक के लिए केस लड़ती है। संविधान का आर्टिकल 15 राज्य में धर्म, जाति, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर नागरिकों के बीच भेदभाव को रोकता है।

आर्टिकल 15 : अनुभव सिन्हा ने ही एक फिल्म 'आर्टिकल 15' बनाई थी। यह फिल्म भी आम नागरिक को उसे हक के बारे में जागरुक करती है। इस फिल्म में लीड रोल में आयुष्मान खुराना थे। फिल्म की कहानी में तीन लड़कियों का अपहरण हो जाता है। इस केस के लिए जब आयुष्मान खुराना पुलिस ऑफिसर बनकर जांच करते हैं तो मामला 'आर्टिकल 15' के हनन का निकलता है।

जय भीम : साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'जय भीम' में भी सामाजिक भेदभाव की कहानी थी। यह तमिल लीगल ड्रामा फिल्म 1993 में हुई एक असल घटना पर आधारित थी। 'जय भीम' को एक्टर सूर्या और एक्ट्रेस ज्योतिका ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में एडवोकेट चंद्रू का किरदार सूर्या ने निभाया था, वह इरुलर कबीले के हकों के लिए कानून का दरवाजा खटखटाते हैं। यह फिल्म संविधान के 'आर्टिकल 17' का महत्व बताती हैं। संविधान के इस अनुच्छेद के अनुसार छुआछात गैरकानूनी है।

न्यूटन : साल 2017 में रिलीज हुई राजकुमार राव स्टारर फिल्म 'न्यूटन' की कहानी भी नागरिकों वोट देने के उनके मौलिक अधिकारों से अवगत कराती है। संविधान हर नागरिक को वोट देने का अधिकार देता है। इस फिल्म की कहानी में राजकुमार राव एक सरकारी कर्मचारी है, जिसे छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके में वोटिंग करवाने की जिम्मेदारी मिलती है।

सिनेमा के हर दौर में एक ऐसी देशभक्ति फिल्म आई जो दिलों को छू गई

इन देशभक्ति गानों को सुनकर जोश से भर जाता है हर भारतीय

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के दिन हर किसी के अंदर देशभक्ति की भावना देखने को मिलती है। इसके साथ ही हर तरफ आपको कुछ ऐसे गाने सुनने को मिलेंगे जो सालों से चले आ रहे और उन्हें सुनकर देशभक्ति का जोश लोगों के अंदर जग जाता है। बॉलीवुड ने कई देशभक्ति फिल्में बनाई हैं और उनके गाने आज भी लोग पूरे दिल से सुनते हैं। हिंदी सिनेमा के हर दौर में एक ऐसी देशभक्ति फिल्म आई जो लोगों को दिलों को छू गई। उन्हीं फिल्मों में कई ऐसे गाने रहे जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया।

छोड़ो कल की बातें

1960 में रिलीज हुई फिल्म हम हिंदुस्तानी का ये गाना है। फिल्म में सुनील दत्त, आशा पारेख, संजीव कुमार और जॉय मुखर्जी जैसे कलाकार नजर आए थे। 'छोड़ो कल की बातें' गाना सुनील दत्त पर फिल्माया गया था, जबकि इस गाने को मुकेश ने गाया था। गाने के बोल प्रेम धवन ने लिखे थे और इसका म्यूजिक उशा खन्ना ने तैयार किया था। ये एक बेहतरीन देशभक्ति फिल्म थी जो उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी।

भारत का रहने वाला हूं

1970 में रिलीज हुई फिल्म पूरब और पश्चिम मनोज कुमार ने ही बनाई थी। फिल्म में मनोज कुमार ही लीड रोल में नजर आए थे और उनके अपोजिट सायरा बानो नजर आई थीं। ये एक सुपरहिट फिल्म थी और फिल्म में प्राण, अशोक कुमार, निरुपा रॉय, प्रेम चोपड़ा जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में थे। 'भारत का रहने वाला हूं' गाना सदाबहार बन गया था। इस गाने को महेंद्र कपूर ने गाया था, जबकि गाना मनोज कुमार पर ही फिल्माया गया था। इस गाने का म्यूजिक कल्याणजी आनंदजी ने तैयार किया था और इसके बोल इंद्रवर ने लिखे थे।

आई लव माई इंडिया

1997 में रिलीज हुई फिल्म परदेश के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर सुभाष घई थे। फिल्म में शाहरुख खान, महिमा चौधरी, अपूर्व अग्निहोत्री, अमरीश पुरी और आलोक नाथ अहम किरदारों में नजर आए थे। 'आई लव माई इंडिया' गाना उसी फिल्म का है जिसे आज भी लोग शान के साथ सुनते हैं। इस गाने को हरिहरण, कविता कृष्णमुर्ति, शंकर महादेवन, आदित्य नारायण ने गाया था। गाने का म्यूजिक नदीम-श्रवण ने तैयार किया था और बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे।

संदेशे आते हैं

1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर को जेपी दत्ता ने बनाया था। फिल्म में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, सुनील दत्त, अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। ये उस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म थी जिसका दूसरा पार्ट 2026 में रिलीज होगा। 'संदेशे आते हैं' गाना उसी फिल्म का है और आज भी पसंद किया जाता है। इस गाने को सोनू निगम और रूप कुमार राठौड़ ने गाया था।

ऐ मेरे वतन के लोगों

दिवंगत सिंगर लता मंगेशकर का ये गाना किसी फिल्म का नहीं है। उन्होंने लाइव ये गाना गाया था और बताया जाता है पहली बार जब उन्होंने ये गाना गाया तब ऑडियंस में बैठे सभी लोगों की आंखों में आंसू आ गए थे। उन लोगों में उस दौर के पीएम स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू भी थे, जिनकी आंखें भर आई थीं। इस गाने को आज भी लोग सुनते हैं और इमोशनल हो जाते हैं। लता मंगेशकर जब भी लाइव कॉन्सर्ट करती थीं, तब ये गाना पब्लिक डिमांड पर वो सुनाती थीं।

मेरा मुल्क मेरा देश

1996 में रिलीज हुई फिल्म दिलजले के डायरेक्टर हैरी बावेजा थे। फिल्म में अजय देवगन और सोनाली बेंद्रे लीड रोल में थे। फिल्म में ये गाना तीन बार दिखाया गया था और आज भी लोग इस गाने को खास दिनों में सुनते हैं। 'मेरा मुल्क मेरा देश' गाना कुमार सानू और आदित्य नारायण के साथ अलका यागनिक ने गाया था। गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे थे जबकि इसका म्यूजिक अनु मलिक ने तैयार किया था।

पेज एक का शेष

अनसुने नायकों को मिला ...

में पिछड़े, दलित समुदायों, आदिवासी समाज, आदिम जनजातियों तथा दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले अनेक लोग शामिल हैं। इन विभूतियों ने दिव्यांगजनों, महिलाओं, बच्चों, दलितों और जनजातीय समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, स्वच्छता, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। सम्मानित व्यक्तियों में ऐसे चिकित्सक भी हैं, जिन्होंने हीमोफीलिया जैसी स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम किया, वहीं एक नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ ने देश का पहला मानव दुग्ध बैंक स्थापित किया। कुछ लोगों ने लुप्त होती लोक कलाओं, हथकरघा और पारंपरिक बुनाई को संरक्षित किया, तो कुछ ने आदिवासी भाषाओं, स्वदेशी युद्ध कलाओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाई। सीमावर्ती राज्यों में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने से लेकर देश की पारिस्थितिक संपदा की रक्षा और स्वच्छता अभियान को जनांदोलन बनाने तक, इन पुरस्कार विजेताओं का योगदान बहुआयामी रहा है।

पद्मश्री से सम्मानित ...

कालीअप्पा गौंडर, रामा रेड्डी मामिडी, रामचंद्र गोडबोले व सुनीता गोडबोले, एस जी सुशीला अम्मा, संग्युसंग एस पोंगेनर, शफी शौक, श्रीरंग देवाबा लाड, श्याम सुंदर, सिमांचल पात्रो, सुरेश हनगावड़ी, तगा राम भील, तेची गुबिन, तिरुवारूर भक्तवत्सलम, विश्व बंधु और युमनाम जात्रा सिंह शामिल हैं। सरकार ने कहा कि ये पद्मश्री सम्मान उन गुमनाम नायकों को राष्ट्रीय पहचान देने का प्रयास हैं, जो बिना किसी प्रचार के, चुपचाप भारत माता की सेवा में जुटे रहे। ये पुरस्कार देश के करोड़ों नागरिकों के लिए प्रेरणा हैं और यह संदेश देते हैं कि सच्ची सेवा और समर्पण कभी अनदेखा नहीं रहता।

स्टार्ट अप इंडिया से ...

क्लबिंग' कहा जा रहा है। यह जेन जी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने कहा कि आप सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो जरूर देखते होंगे। यह माहौल किसी बड़े कॉन्सर्ट से कम नहीं लगता। लेकिन यहां जो गाया जाता है, वो भजन होता है और वो भी पूरे मन से, पूरी लगन से और पूरी तन्मयता के साथ।

गांव के सामुदायिक किचन की चर्चा की: गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है।अगर मैं आपसे कहूं कि यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते तो आपको हैरत होगी। इसकी वजह गांव का शानदार सामुदायिक किचन है। इस सामुदायिक किचन में एक साथ पूरे गांव का सबका खाना बनता है और लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं।

युवा उच्च गुणवत्ता पर ध्यान दें : पीएम मोदी ने खासकर इंडस्ट्री और स्टार्टअप से जुड़े युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत पर दुनिया की नजरें हैं। ऐसे समय में हम सब पर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है।हम पूरी ताकत से गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि हम सबका एक ही मंत्र हो, 'गुणवत्ता, गुणवत्ता और सिर्फ गुणवत्ता।' हम जो भी उत्पादन कर रहे हैं, उसकी गुणवत्ता को बेहतर बनाने का संकल्प लें। हमारे टेक्सटाइल, टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स, यहां तक कि पैकेजिंग भी, भारतीय उत्पाद का मतलब 'उच्च गुणवत्ता' होना चाहिए।

भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप ईकोसिस्टम : उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित हो चुका है। यह इकोसिस्टम पारंपरिक सोच से अलग है और ऐसे क्षेत्रों में काम कर रहा है, जिनकी 10 वर्ष पहले तक कल्पना भी कठिन थी। आज भारतीय स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन और बायोटेक्नोलॉजी जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपने उन सभी युवा-साथियों को सेल्यूट करता हूं, जो किसी-न-किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या फिर अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।

स्वच्छता के लिए ...

कहकर एक दूसरे का अभिवादन करते हैं। यहां ईटानगर में युवाओं का समूह उन हिस्सों की सफाई में एकजुट है, जहां ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इन्होंने सफाई को ही अपना मिशन बना लिया है। ये युवा करीब 11 लाख किलो से अधिक कचरे की सफाई कर चुके हैं। असम के नागांव में भी लोगों ने मिलकर गलियों की सफाई की। बेंगलूरू में भी सोफा वेस्ट को दूर करने लोग अपने तरीके अपना रहे। चेन्नई में एक टीम लैंडफिल वेस्ट को रिसाइकिल करने में जुटी है। हमें स्वच्छता के लिए व्यक्तिगत तौर पर या फिर टीम के तौर पर प्रयास करने होंगे।

शुभांशु शुक्ला को...

पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने थे। शुक्ला की 18 दिन की अंतरिक्ष यात्रा 1984 में अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के रूसी सोयुज में उड़ान भरने के 41 साल बाद हुई। एक फाइटर पायलट के तौर पर शुक्ला के पास एसयू-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एन-32 सहित विभिन्न विमानों में 2,000 घंटे से ज़्यादा उड़ान का शानदार अनुभव है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 70 सशस्त्र बलों के जवानों को वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी, जिनमें से छह को यह सम्मान मरणोपरांत मिलेगा। इनमें एक अशोक चक्र, तीन कीर्ति चक्र, 13 शौर्य चक्र (जिसमें एक मरणोपरांत शामिल है), एक बार टू सेना मेडल (वीरता) और 44 सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। कीर्ति चक्र पुरस्कार विजेताओं में मेजर अर्शदीप सिंह, नायब सूबेदार डोलेश्वर सुब्बा और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस पर...

अधिकारियों ने भ्रष्टाचार निरोधक मामलों, आर्थिक अपराधों की जांच, विशेष अपराध शाखाओं के संचालन, प्रशिक्षण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रशासनिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे संगठन के समर्पण, पेशेवर दक्षता और निष्पक्ष जांच प्रणाली का भी प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि सम्मानित अधिकारी भविष्य में भी ईमानदारी, निष्पक्षता और राष्ट्रहित के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने 14 गोशालाओं को चारे के लिए 1.22 करोड़ दिए

जन्मदिन पर वृद्ध आश्रम जाकर सीएम ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर गोसवा की सेवा के पवित्र संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और अहम कदम उठाते हुए माता मनसा देवी गोशाला में आयोजित कार्यक्रम में जिला की 14 गोशालाओं के लिए 1 करोड़ 22 लाख 46 हजार रुपये की चारा अनुदान राशि के चेक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सकेतड़ी की पहाड़ी पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के कच्चे रास्ते के सुदृढ़ीकरण व नवीनीकरण के लिए 20 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी पत्नी सुमन सैनी सहित माता मनसा देवी गोधाम में गो सेवा की और चारा और गुड़ खिलाकर गोमाता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने गोपूजन भी किया।

अब तक 270 करोड़ दिए : मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों मे पंजीकृत गोशालाओं को चारे के लिए 270 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। गोशालाओं को अन्य सुविधाएं भी सरकार दे रही है। इस अवसर पर हरियाणा गोसेवा आयोग अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग, विधायक शक्ति रानी शर्मा, विधानसभा पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य नेताओं ने दी बधाई

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को जन्मदिन के अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फोन कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पित और ऊर्जावान नेता बताया।

3 करोड़ को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य, जल्द हासिल करेंगे : चौहान

मंत्री ने समृद्धि दीदी से समृद्ध राष्ट्र : गणतंत्र दिवस अभिनंदन समारोह 2026 में लिया भाग लिया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को नई दिल्ली स्थित पूसा में आयोजित विशेष समारोह "समृद्धि दीदी से समृद्ध राष्ट्रः गणतंत्र दिवस अभिनंदन समारोह 2026" में देशभर से गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लेने आई लगभग 400 जीविका दीदियों को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी भी उपस्थित रहे।

शिवराज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें 3 करोड़ दीदी को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य दिया है। और मैं गर्व से कहता हूँ कि यह लक्ष्य हमारे लिए मंत्र है और बहुत जल्द हम इसे हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन अब सिर्फ योजना नहीं, एक क्रांति और आंदोलन बन चुका है। इसने हमें केवल आर्थिक रूप से सशक्त नहीं किया, बल्कि उन सारी बेड़ियों को भी तोड़ा है जो महिलाओं को पीछे रोकती थीं।

उन्होंने कहा कि आज दीदियाँ आत्मनिर्भर भी हैं और आत्मविश्वास से भरी भी हैं। अगर कोई दीदी व्यक्तिगत रूप से लोन लेना चाहे, तो उस रास्ते को भी हम आसान बनाएँ, ताकि दीदियों की आर्थिक ताकत और ज्यादा मजबूत हो सके। इसके तहत महिला उद्यमिता को बढ़ावा

देने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक एंड-टू-एंड ऑनलाइन लोन सिस्टम बनाया है, जिससे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को समय पर और आसान तरीके से ऋण मिल सकेगा। अब स्वयं सहायता समूह सदस्य किसी भी बैंक में ऋण के लिए, ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी, और बैंक ऋण को डिजिटल तरीके से स्वीकृत और जारी करेंगे।

यह पहल महिला उद्यमियों के लिए ऋण सुविधा प्राप्त करने में एक मील का पत्थर साबित होगी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के व्यापक लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी। कार्यक्रम में मौजूद राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेमासामी ने अपने संबोधन में कहा कि हाल ही में गुंटूर में आयोजित सरस मेला में महिलाओं की उद्यमशीलता साफ नजर आई। हमारे यहां समृद्धि को सिर्फ जीडीपी से जोड़ दिया जाता है लेकिन देश की वास्तविक ताकत उसकी महिलाओं से तय होती है।

चाइनीज मांझे से कटी हाईवे पार कर रहे किसान की गर्दन

मेरठ। मटौर गांव के सामने हाईवे पार करने के दौरान मटौर गांव निवासी सहदेव चौहान (55) की गर्दन में चाइनीज मांझा लिपट गया। गर्दन कटने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने घायल को मोदीपुरम स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां आपरेशन कर 32 टांके लगाए गए। चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध होने के बाद भी शहर से लेकर देहात तक बिक्री की जा रही है। यह मांझा पक्षियों के साथ साथ जनमानस के लिए जानलेवा साबित होता जा रहा है। शनिवार को मेरठ में एक दरोगा घायल हुए और शनिवार देर शाम को ही मटौर निवासी सहदेव मांझे की चपेट में आ गए। परिजनों के मुताबिक सहदेव कहीं जाने के लिए गांव के बाहर आकर हाईवे पार कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक आया, जिसमें चाइनीज मांझा लिपटा हुआ था।

बांग्लादेश: सोते हुए 23 साल के चंचल को जिंदा जलाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश में चुनाव होने वाले हैं लेकिन उससे पहले कट्टरपंथियों द्वारा लगातार हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। अब एक बार फिर वहां से एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या की खबर सामने आई है। हत्या करने वालों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं और

जिस गैराज में युवक सो रहा था उसमें ही पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। युवक अपनी जान बचाने के लिए बाहर न आ सके इसलिए गैराज का शटर गिरा दिया। इसके चलते आग में झुलसकर शख्स की मौत हो गई है। दरअसल, ये मामला शुक्रवार की रात है। बांग्लादेश के नरसिंदी में 23 साल के चंचल भौमिक अपनी दुकान में सो रहे थे। ऐसे में हमलावरों ने पहले दुकान का शटर गिराया और फिर दुकान पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इसके चलते चंचल नींद से उठने के बाद भी दुकान से बाहर न आ सका। चंचल भौमिक से पहले दीपू चंद्र दास से लेकर खोकोन चंद्र दास जैसे हिंदुओं की हत्या हो चुकी है।

चिंतन

संविधान, संप्रभुता, लोकतांत्रिक शक्ति का उत्सव है गणतंत्र दिवस

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 26 जनवरी वह स्वर्णिम दिन है, जब देश ने औपनिवेशिक अतीत से पूरी तरह बाहर निकलकर स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। वर्ष 2026 में भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस पूरे गौरव और भव्यता के साथ मना रहा है, जो न केवल संविधान की दीर्घायु का उत्सव है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और निरंतर सुदृढ़ होती संस्थाओं का भी प्रमाण है। यह दिन केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और देश ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। यह संविधान ही भारत की आत्मा है, जिसने विविधताओं से भरे इस विशाल देश को एकता के सूत्र में बांधे रखा। गणतंत्र दिवस भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सत्ता का वास्तविक स्रोत जनता है और शासन संविधान के दायरे में रहकर ही चलाया जाना चाहिए। इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह और भी विशेष है क्योंकि भारत न केवल आंतरिक रूप से मजबूत लोकतंत्र के रूप में उभरा है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी उसकी भूमिका लगातार सशक्त होती जा रही है। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि को आमंत्रित करने की परंपरा भी भारत की अंतरराष्ट्रीय सोच और कूटनीतिक दृष्टि को दर्शाती है। यह परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना गणतंत्र स्वयं है। 1950 में, जब पहली बार गणतंत्र दिवस मनाया गया, तब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो भारत के पहले मुख्य अतिथि थे। यह स्पष्ट संकेत था कि भारत अपनी आज़ादी को केवल घरेलू उत्सव नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग और मित्रता के अवसर के रूप में देखता है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि पहली गणतंत्र दिवस परेड कर्तव्य पथ (तत्कालीन राजपथ) पर नहीं, बल्कि इरविन स्टेडियम में आयोजित हुई थी, जिसे आज नेशनल स्टेडियम के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1955 में परेड को राजपथ स्थानांतरित किया गया, जिसे आज कर्तव्य पथ कहा जाता है। 77वें गणतंत्र दिवस पर भारत एक बार फिर अपने उन सच्चे नायकों को सम्मानित कर रहा है, जो देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर परिस्थिति में डटे रहते हैं। इस वर्ष 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़े कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह संख्या अपने आप में बताती है कि राष्ट्र अपने रक्षकों के योगदान को कितनी गंभीरता से स्वीकार करता है। इसके अतिरिक्त, नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से जुड़े 35 कर्मियों और पूर्वोत्तर भारत में तैनात 5 कर्मियों को भी वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है। यह दिखाता है कि देश के हर कोने में तैनात सुरक्षाबल समान साहस और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कुल मिलाकर, इस बार का गणतंत्र दिवस भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, संवैधानिक मूल्यों और सुरक्षा बलों की वीरता का भव्य संगम है। यह दिन हमें गर्व करने का अवसर देता है, साथ ही यह जिम्मेदारी भी याद दिलाता है कि एक नागरिक के रूप में हम संविधान, राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाएं। गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और राष्ट्रनिर्माण का प्रेरक अवसर है।

बुलंदियों के क्षितिज पर भारतीय गणतंत्र

उपलब्धि
अरविंद जयतिलक

> भारतीय संविधान ने देश में सभी नागरिकों को ढेरों अधिकार दे रखे हैं, जिससे उन्हें अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली हुई है। भारतीय संविधान में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार सभी समान हैं। जनमत पर आधारित भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। सत्ता प्राप्ति के लिए खुलकर प्रतियोगिता होती है और लोगों को चुनाव में वोट के द्वारा अयोग्य शासकों को हटाने का मौका मिलता है। हालांकि, जनसंख्या नियंत्रण की चुनौती अभी भी बनी हुई है। इन समस्याओं के बाद भी देश ने सात दशकों में ढेर सारी उपलब्धियां अर्जित की हैं, जिस पर हम गर्व कर सकते हैं।

आज भारत राष्ट्र अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। उस संविधान की भावना के अनुरूप ही भारत एक प्रभुता संपन्न गणतंत्रात्मक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य बना। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। देश की आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले।

ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो, इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया। गौर करें तो भारतीय संविधान की यह सभी विशेषताएं भारतीय संविधान को उदारवादी और विकासवादी बनाती हैं। भारतीय संविधान ने देश में सभी नागरिकों को ढेरों अधिकार दे रखे हैं, जिससे उन्हें अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली हुई है। भारतीय संविधान में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार सभी समान हैं। जनमत पर आधारित भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। सत्ता प्राप्ति के लिए खुलकर प्रतियोगिता होती है और लोगों को चुनाव में वोट के द्वारा अयोग्य शासकों को हटाने का मौका मिलता है। भारतीय संविधान ने राज्य के लोगों की स्वतंत्रता और उनके अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार केंद्र या राज्य सरकारों को नहीं दिया है। संविधान के तहत राजनीतिक दल सभाओं, भाषणों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य संचार माध्यमों से जनता को अपनी नीतियों और सिद्धांतों से अवगत कराते हैं। विरोधी दल संसद में मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, काम रोको प्रस्ताव रखकर तथा वाद-विवाद द्वारा सरकार के भूलों को प्रकाश में लाते हैं। सरकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए उसकी नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हैं।

भारतीय संविधान के मुताबिक संघीय शासन की स्थापना के बावजूद प्रत्येक नागरिक को इकहरी नागरिकता प्राप्त है और इससे राष्ट्र की भावनात्मक एकता की पुष्टि होती है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह राज्यों की कोई पृथक नागरिकता नहीं है। धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी इच्छानुसार शिक्षण संस्थाएं स्थापित करने तथा धन का प्रबंध करने का अधिकार है। संविधान ने सुनिश्चित किया है कि शिक्षण-संस्थाओं को सहायता देते समय राज्य किसी शिक्षण संस्था के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं करता है कि वह संस्था धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। इसी तरह भारतीय नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार हासिल है। इस व्यवस्था ने भारतीय नागरिकों को शासन-प्रशासन से सीधे सवाल-जवाब करने की नई लोकतांत्रिक धारणा को जन्म दिया है। इस व्यवस्था से सरकारी कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ा है, जिससे आर्थिक विकास को तीव्र करने, लोकतंत्र की गुणवत्ता

बढ़ाने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। सूचना के अधिकार से सत्ता की निरंकुशता पर भी अंकुश लगा है। भारतीय संविधान ने भारत के स्वरूप को एक मृदु राज्य में तब्दील कर दिया है।

उसी का नतीजा है कि भारत के प्रत्येक राज्यों में राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन हुआ है। इन आयोगों को विधिवत सुनवाई करने तथा दंड देने का अधिकार प्राप्त है। इससे सत्ता का विकेंद्रीकरण और स्थानीय स्तर पर स्वशासन की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से मृदु राज्य के रूप में तब्दील होने से भारत का तीव्र गति से विकास हो रहा है और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता भी बनी हुई है। आज भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज भारत में सबसे ज्यादा स्मार्टफोन डेटा उपभोक्ता हैं। सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग लगातार सुधर रही है। देश में यूपीआई के जरिए लेन-देन बढ़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में यूपीआई से कुल 228 अरब से अधिक के लेन-देन हुए जिनका कुल मूल्य लगभग 300 लाख करोड़ था। यह वर्ष 2024 की तुलना में 32.5 प्रतिशत तथा मात्रा में 21 प्रतिशत अधिक है। विनिर्माण क्षेत्र में ग्रोथ से भारत के निर्यात में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। 2025 में 824.9 बिलियन के रिकार्ड स्तर पर रहा। बीते दस वर्षों में 120 अरब डॉलर से ज्यादा की नई कंपनियां अस्तित्व में आई हैं। आज इनका मूल्य 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह संकेत भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था की संभावना को पुख्ता करता है। भारत गरीबी से निपटने के लक्ष्य को तेजी से हासिल कर रहा है।

नीति आयोग के डिस्कशन पेपर 'मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि 2013-14 से 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग मल्टीडाइमेंशनल गरीबी से बाहर निकले हैं। ऐसा इसलिए संभव हुआ है कि सरकार ने कल्याणाकारी योजनाओं के लीकेज को बंद करने में सफलता हासिल की है अर्थात कल्याणाकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा है। केंद्र सरकार भूख की गरीबी को खत्म करने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना संचालित कर रही है जिसके जरिए देश के तकरीबन 80 करोड़ लोगों को पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना के अंतर्गत तकरीबन दस करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास दिया जा चुका है। 41 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिसके जरिए उन्हें उच्चकोटि के अस्पतालों में निःशुल्क इलाज मिल रहा है। जनधन खाताधारकों की संख्या 56 करोड़ के पार पहुंच चुकी है जिसमें 80 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इन खातों में 2.68 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है और 70 करोड़ रुपे कार्ड जारी किया गया है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, इसके लिए केंद्र सरकार ने देश का भाग्य संरचनात्मक रूप से कृषि से जोड़ दिया है। जनसंख्या नियंत्रण की चुनौती अभी भी बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में जनसंख्या बढ़ने की गति धीमी है, वहीं भारत में साल भर में आबादी 1.56 प्रतिशत बढ़ी है। विगत पांच दशकों में जनसंख्या में निरंतर तीव्र वृद्धि के कारण जनसंख्या विस्फोट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इन समस्याओं के बाद भी सात दशकों में ढेर सारी उपलब्धियां अर्जित की हैं, जिस पर हम गर्व कर सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

गर्व

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

भारत गणतंत्र तुम्हारी जय हो!

हम भारत के लोग 26 जनवरी 2026 की सुबह अपने 77वें गणतंत्र का उत्सव मना रहे हैं। यह समय हमें आंकलन करने की अपेक्षा करता है कि इतने दीर्घावधि वाले भारत गणतंत्र का 'जन-गन-मन' आज किन अनुभूतियों के साथ जी रहा है। यह देश का सौभाग्य है कि हमारे पास सबसे बड़ी युवा आबादी है। इस देश की महिलाएं विगत 77 वर्षों में पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं से लड़कर मुख्यधारा में सम्मिलित हो चुकी हैं। पहले की अपेक्षा बाल शिशु मृत्यु दर कम हुई है। कौशलयुक्त शिक्षा व्यवस्था अपना आकार ले चुकी है और स्टार्टअप के माध्यम से अनेक युवा अपने रोजगार सृजित कर दूसरों को रोजगार देने में सक्षम हुए हैं। यह इस देश की और भारतीय गणतंत्र की खूबसूरती है कि सामाजिक न्याय पहले की अपेक्षा अब ज्यादा दिखने लगा है। एलजीबीटीक्यू ग्रुप, वृद्धजन, दिव्यांगजन, अल्पसंख्यक, आदिवासी लोग और घुमंतू जातियों के लोगों में आत्मसम्मान बढ़ा है। जागरूकता बढ़ी है। शिक्षा का स्तर बढ़ा है। मानव विकास के सूचकांकों में वृद्धि हुई है। जीवन स्तर ऊंचा हुआ है। अब किसान की आय में वृद्धि हुई है। हमारे आयत-निर्यात और वहस्विक स्तर पर राजनयिक संबंधों में कभी असहजता जो बढ़ रही थी, उसमें अब सुगमता से डिप्लोमेटिक लेवल पर पॉलिसीज तैयार हुई है। देश ने द्विपक्षीय संबंधों और बहुपक्षीय संबंधों में विश्वास को जीता है और बहुत से देशों के साथ मधुर संबंध स्थापित हुए हैं। भारतीय संविधान की यह ताकत है कि भारत गणतंत्र इतना सशक्त व समृद्ध तरीके से अपने 77 वर्ष का समय पूर्ण करके कई नई पहल करने के लिए सक्षम बन सका है। देश में विशेष सन्देश सबके मन के भीतर है कि हम भारतीय गणतांत्रिक व्यवस्था के साथ जीकर 2047 तक विकसित भारतीय गणतंत्र की ओर अग्रसर हों और हमारे भारतीय नागरिकों में स्वबोध, गौरवबोध की स्थापना हो। हमारे देश के महान स्वाधीनता सेनानियों, संविधान निर्माताओं और भारत के निर्माणकर्ताओं को इस पावन अवसर पर हमें स्मरण करना है। उन स्त्रियों को स्मरण करना है जिन्होंने उन दिनों गांधी, सुभाष, पटेल, सी. राजगोपालाचारी, राजेंद्र प्रसाद, नेहरू आदि के साथ भारतीय अस्मिता के लिए संघर्ष किया और भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे त्यागी, आत्मबलिदानी व साहसी लोगों के प्राणों के आहुति से प्रेरित होकर देश की स्वाधीनता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हममें से अधिकांश लोग अजीजन बाई के बारे में नहीं जानते, जो 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की बहादुर नायिका थीं। पेशे से नर्तकी-तवायफ होने के बावजूद उन्होंने देशभक्ति में जीवन लगा दिया। उन्होंने लगभग 400 महिलाओं का गुप्त समूह, जो अंग्रेज़ों से जानकारी जुटाता और क्रांतिकारियों तक पहुंचाता। इसके अलावा वे हथियार चलाने और सैनिकों की मदद में भी माहिर थीं। विद्रोह के दौरान उन्हें ब्रिटिशों ने पकड़ लिया। उन्होंने अपने साथियों का राज़ नहीं खोला और शर्तें अस्वीकार की। जनरल हैवलॉक ने उन्हें तोप से उड़ा दिया। उनके इस साहस और योगदान के कारण नानासाहेब ने उन्हें बहन समान सम्मान दिया था। उनका साहस आज भी महिलाओं की वीरता और स्वतंत्रता प्रेम की मिसाल है। ऐसी वीरांगनाओं को इस गणतंत्र पर हमें स्मरण करना है। हमारी आने वाली पीढ़ी की मांग के मुताबिक उनके सपनों के हिसाब का भारत बनाना ज़रूरी होगा लेकिन यह फिक्र तभी कम होगी, जब हमारी इच्छाशक्ति, विजन-प्लान व लीडरशिप सशक्त, पारदर्शी व गंभीर पहल करेगी। वास्तव में मुख्यधारा से लेकर हाशिये के समाज तक योजनाओं का पूर्णतया नियोजन व प्रतिभागिता व लाभार्थी बनाने की चेष्ठा होगी। इस गणतंत्र पर हम अपने पड़ोसियों के दुःख-सुख में सहभागी होने की शपथ लें। सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए तत्पर हो और वैश्विक स्तर पर ख्याति व उपलब्धियों के शानदार प्रदर्शन के लिए हर भारतीय मन तैयार हो तो देश अपने गणतंत्र की जयघोष खुद करने या प्रचारित करने के लिए नहीं सोचेगा अपितु पूरी दुनिया भारतीय गणतंत्र की जय-जयकार करेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि भारत निराश नहीं है। भारत निरंतर अपने विकास के कीर्तिमान स्थापित भी कर रहा है। स्पेस, टेक्नोलॉजी, डिजिटल क्रांति के लिए भारत को संपूर्ण विश्व में सम्मान प्राप्त है। अब तक की भारतीय संवैधानिक यात्रा दुनिया के अनेक देशों की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्तम मानी जा रही है, इसलिए आज आशावादी देश भारत अपने देश के गणतांत्रिक मूल्यों के साथ हिमालय सा मस्तक ऊंचाकर आगे बढ़ने को तैयार है। देश के नागरिकों को अपने कर्त्तव्य का वैयक्तिक व सामूहिक स्तर ज्यादा समझने की आवश्यकता है। हम सब कामना करें कि इस 77वें गणतंत्र पर भारत गणतंत्र तुम्हारी जय हो! यह देश निर्भय हो। इस भावना के साथ ही हम अपने गणतांत्रिक स्वबोध को भी बचा सकेंगे।

(लेखक पंजाब विवि में चेयर प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दृष्टिकोण को बनाएं व्यापक

संकलित
दर्शन

हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सब कुछ अच्छा करें। परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में लगातार जीतने की इच्छा उनके लिए जीवन से भी बड़ी हो जाती है। वे विश्वास करने लगते हैं कि हर कीमत पर जीतना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब उन्हें अस्वीकृति मिलती है, तब वे नहीं समझ पाते कि उन्हें क्या करना चाहिए। दरअसल, हम उन्हें विशाल दृष्टिकोण नहीं देते, तब जीवन में क्या सबसे महत्वपूर्ण है, इसके विषय में उनकी समझ असंतुलित हो जाती है। विशाल दृष्टिकोण यह है कि जीवन स्वयं में एक बहुत बड़ी परीक्षा है, जिससे होकर आप गुजर रहे हैं। ऐसा मत सोचिए कि परीक्षा में सफल या असफल हो जाने से पूरे जीवन की दिशा निर्धारित हो जाएगी। जो मूल्य एक दूसरे के विपरीत प्रतीत होते हैं, जैसे जीत या हार, सफलता या असफलता, ऊंचा या नीचा, वे वास्तव में एक दूसरे के पूरक हैं। एक मूल्य दूसरे मूल्य के महत्व को बढ़ाता है। एक विशाल आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ ही युवा बिना अपनी मुस्कान और उत्साह को खोए हुए, जीवन के इन विपरीत मूल्यों की प्रशंसा करना सीख सकते हैं। ऐसी शक्ति, ऐसी मुस्कान, जिसे कोई छीन न सके और ऐसा साहस, जो विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में भी समाप्त ना हो, वह सफलता है। युवाओं को स्वयं और समाज के लिए बड़े लक्ष्य और विशाल दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए और सेवा को जीवन का एक हिस्सा बनाना चाहिए। ऐसी प्रतिबद्धता आपको बाधाओं के पार ले जा सकती है।

शनिदेव को पिप्पलाद मुनि ने दिया शाप

संकलित
प्रेरणा

पुराने समय में वृत्तासुर नाम के एक असुर का आतंक बढ़ गया था। इस असुर को सभी देवता पराजित नहीं कर पा रहे थे। उस समय दधिचि ऋषि ने देवताओं से कहा कि मेरे शरीर की हड्डियों से आप वज्र नाम का शस्त्र बनाइए और उस वज्र से वृत्तासुर का अंत हो जाएगा। देवताओं की भलाई के लिए दधिचि ऋषि ने अपनी देह त्याग दी और बाद में देवताओं ने ऋषि की हड्डियों से वज्र बनाया। देवराज इंद्र ने इस वज्र से असुरों को पराजित कर दिया। दधिचि मुनि के पुत्र का नाम पिप्पलाद था। दधिचि के पुत्र का जन्म पीपल के नीचे हुआ था, इस कारण इस बच्चे का नाम पिप्पलाद रखा गया। बच्चे के जन्म से पहले ही दधिचि की मृत्यु हो गई थी। जब पिप्पलाद बड़े हुए तो उन्होंने देवताओं से पूछा कि मेरे पिता की इतनी जल्दी मृत्यु कैसे हो गई। उस समय उन्हें मालूम हुआ कि शनि की अशुभ दृष्टि की वजह से दधिचि मुनि की मृत्यु का योग बना है। वे बड़े तपस्वी थे। जब उन्हें मालूम हुआ कि शनि के कारण उनके पिता की जल्दी मृत्यु हुई तो उन्होंने शनि को ग्रह मंडल से हटने का शाप दे दिया। शाप के असर से शनि ग्रह मंडल से हटने लगे तो सभी देवताओं ने पिप्पलाद मुनि से अपना शाप वापस लेने की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना से पिप्पलाद मुनि ने शनि को क्षमा कर दिया, लेकिन उन्होंने से शनि से कहा कि अब से किसी बच्चे को 16 वर्ष की उम्र तक शनि दोष का सामना न करना पड़े, शनि बच्चों पर अशुभ दृष्टि नहीं डालेंगे।

अचला सप्तमी

श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी के दिगंबर कुशल भारती महाराज ने रविवार को प्रयागराज के बाघंबरी मठ में अचला सप्तमी के अवसर पर एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

आज की पाती

मारपीट-हत्याओं के बढ़ते मामले

देश में मारपीट और हत्या के मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसे ही मामले काफी समय से राजधानी रायपुर व प्रदेश के कई ग्रामीण इलाकों में बढ़े हैं। इन मामलों के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण लोगों का सहनशीलता लेवल कम होना है। जहां भी हमारा आपा खो जाता है, वहां हम मारपीट में फंस जाते हैं। मारपीट और हत्या के मामलों से बचने के लिए एक ही चारा है कि हमें कोई भी विवाद हो, उसे बातचीत से सुलझा देना चाहिए। वहीं एक सुझाव यह भी है कि महिलाओं को समाज में सशक्त होना चाहिए, ताकि कोई भी विवाद हो वह उसे अच्छे से सुलझा लें। महिलाएं सशक्त होंगी तो बहुत सारे विवाद जो घर से बाहर निकलते हैं, वे सुलझ सकते हैं।

-रमेश यदु, भाटापारा

ट्रेंड

जनभागीदारी की मिसाल

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से गुजरने वाली तमसा नदी का पुनरोद्धार जनभागीदारी की सफलता की अद्भुत मिसाल है। यहां के लोगों ने अपनी सामूहिक शक्ति से ना केवल एक नदी, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की धारा को एक नया जीवन दिया है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'श्री अन्न' की स्वीकार्यता

'श्री अन्न' की बढ़ती स्वीकार्यता देश के खानपान में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती है, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में किया है। 'श्री अन्न' आज पोषण, नवाचार और किसान आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बना है।

- धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

वायु प्रदूषण

हम वायु प्रदूषण की बहुत भारी कीमत चुका रहे हैं -अपने स्वास्थ्य से भी और अर्थव्यवस्था से भी। करोड़ों आम भारतीय हर दिन इसका बोझ झेल रहे हैं। बच्चे और बुज़ुर्ग सबसे ज़्यादा इसके कारण पीड़ा सहते हैं।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सोरेन ने परंपरा तोड़ी

झारखंड की उप राजधानी दुमका में मुख्यमंत्री द्वारा गणतंत्र दिवस के दिन झंडोत्तोलन किए जाने की परंपरा रही है, लेकिन हेमंत सोरेन ने लंदन में शॉपिंग करने के लिए इस परंपरा को भी तोड़ दिया। वे विदेशी दौरे पर जनता की गाढ़ी कमाई लुटा रहे हैं।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

क्लाइम्बर एलेक्स बिना रस्सी ताइपे 101 पर चढ़े

अमेरिकी रॉक क्लाइम्बर एलेक्स होनोल्ड ने रविवार को बिना किसी रस्सी या सुरक्षा उपकरण के गगनचुंबी इमारत 'ताइपे 101' पर चढ़ाई की। एलेक्स ने रविवार को सुबह जब 508 मीटर (1,667 फुट) ऊंची इस इमारत पर चढ़ना शुरू किया, तो वहां जमा भीड़ ने खुशी से तालियां बजाईं। उन्होंने धातु की बीमों का सहारा लेकर सिर्फ हाथों के जरिये चढ़ाई की। जब वह एक जगह रुके और पीछे मुड़कर दर्शकों की ओर देखने लगे, तो वहां खड़े लोगों ने फिर से उनका उत्साहवर्धन करने के लिए नारे लगाये। उनकी लाल रंग की छोटी बाजू की शर्ट चढ़ाई के दौरान सबसे अलग दिख रही थी। ताइवान की राजधानी स्थित इस प्रतिष्ठित

इमारत पर होनोल्ड की चढ़ाई का सीधा प्रसारण नेटफ्लिक्स पर 10 सेकंड की देरी के साथ किया जा रहा था। एलेक्स को इमारत पर शनिवार को चढ़ना था, लेकिन बारिश के कारण 24 घंटे के लिए इसे स्थगित कर दिया गया था। इस इमारत में 101 मंजिल हैं, जिनमें सबसे कठिन हिस्सा मध्य भाग की 64 मंजिल हैं। ये इमारत को इसकी विशिष्ट पहचान देते हैं। आठ भागों में विभाजित इस इमारत के प्रत्येक भाग में आठ मंजिल हैं। एलेक्स ने ऊपर चढ़ते समय हर भाग में थोड़ी-थोड़ी देर आराम किया।

ऑफ बीट

नाक से सांस लेने पर आपकी दौड़ हो सकती है आसान

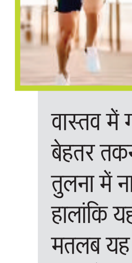

श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है - यह बस हो जाता है। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं - और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फ़ायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

चौधरी मित्रसेन आर्य : वेद, पुरुषार्थ और संस्कार से गढ़ा जीवन

||
इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी स्मृति केवल अतीत नहीं होती, बल्कि वर्तमान के दर्शन और भविष्य को दिशा देने का कार्य करती हैं। इतिहास कुछ लोगों को जन्म देता है और कुछ लोग इतिहास को दिशा देते हैं। चौधरी मित्रसेन आर्य जी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। 27 जनवरी 2011 को उन्होंने 79 वर्ष की आयु में भौतिक शरीर का परित्याग किया, किंतु वेद जिस कीर्तिमय शरीर की बात करते हैं वह आज भी जीवित है, प्रेरक है। चौधरी मित्रसेन जी की पुण्यतिथि केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। आज, उनकी पुण्यतिथि पर यह कहना उचित होगा कि चौधरी मित्रसेन जी हमारे बीच शरीर से अनुपस्थित हैं, परंतु विचारों से हर जगह उपस्थित हैं।
||

चौधरी मित्रसेन आर्य जी

जन्म : 15 दिसंबर 1931, खांडाखेड़ी (हिसार)
प्रेरणा स्रोत : वेद, महर्षि दयानंद सरस्वती
पहचान : समाजसेवी, वेदानुगामी व उद्योगपति
विशेष योगदान: आदिवासी-वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा व संस्कार का रोपण, वैदिक साहित्य प्रकाशन
निर्वाण : 27 जनवरी 2011

न जायते म्रियते वा कदाचित् (भगवद्गीता)
अर्थात आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है।

यह श्लोक केवल आध्यात्मिक सत्य नहीं, बल्कि चौधरी मित्रसेन जी के जीवन का यथार्थ है। उनका शरीर भले ही नश्वर था, पर उनका कर्म, उनका विचार और उनका पुरुषार्थ अमर है। इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी स्मृति केवल अतीत नहीं होती, बल्कि वर्तमान के दर्शन और भविष्य को दिशा देने का कार्य करती है। इतिहास कुछ लोगों को जन्म देता है और कुछ लोग इतिहास को दिशा देते हैं। चौधरी मित्रसेन आर्य जी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। भले ही 27 जनवरी 2011 को उन्होंने 79 वर्ष की आयु में भौतिक शरीर का परित्याग किया, किंतु वेद जिस कीर्तिमय शरीर की बात करते हैं, वह आज भी जीवित है, प्रेरक है। चौधरी मित्रसेन जी की पुण्यतिथि केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। आज, उनकी पुण्यतिथि पर यह कहना उचित होगा कि चौधरी साहब हमारे बीच शरीर से अनुपस्थित हैं, परंतु विचारों से हर जगह उपस्थित हैं। 15 दिसंबर 1931 को हिसार जिले के खांडाखेड़ी गांव में जन्मा यह बालक उस कालखंड की उपज था, जब देश स्वतंत्रता की पीड़ा और स्वप्न दोनों को एक साथ जी रहा था। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत के बाद देश की आत्मा जाग चुकी थी। गांव-गांव, घर-घर स्वतंत्रता का स्वर गूंज रहा था। ऐसे वातावरण में जन्मे मित्रसेन जी को देशभक्ति विरासत में मिली। उनके पिता चौधरी शीशराम किसान होने के साथ-साथ आर्य समाज की विचारधारा के संवाहक थे। महर्षि दयानंद सरस्वती के 'विचार, आर्य समाज की मर्यादाएं व राष्ट्रप्रेम' इन तीनों का गहरा संस्कार बालक मित्रसेन के व्यक्तित्व में आरंभ से ही रच-बस गया।

विपत्ति ने छीना बचपन, पर नहीं छीन सकी संकल्प

जीवन ने बहुत जल्दी मित्रसेन की परीक्षा ले ली। मात्र दस वर्ष की आयु में पिता की आंखों की रोशनी चली गई। इसके बाद परिवार से चाचाओं की छत्रछाया भी उठ गई। यह ऐसा समय था जब अधिकांश बच्चे खेल रहे होते थे, लेकिन मित्रसेन जी को इस उम्र में खेत संभालने पड़े। यहां से शुरू होती है वह कहानी, जो बताती है कि संकट यदि इच्छाशक्ति से टकराए, तो इतिहास बनता है। कम उम्र में ही मित्रसेन जी यह समझ चुके थे कि केवल परंपरागत खेती पर निर्भर रहकर भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता। इसे देखते हुए उन्होंने संकल्प लिया और तकनीकी ज्ञान को अपनाया। उन्होंने रोहतक में लेथ और इंजन बोरिंग मशीन का काम सीखा। ये उनकी दूरदर्शिता ही थी कि एटलस साइकिल, सोनीपत से लेकर रोहतक बिजलीघर और उदयपुर के कारखानों तक, हर जगह उन्होंने केवल नौकरी नहीं की, बल्कि अनुभव संजोया। 1955 में जब रोहतक में उन्होंने अपना लेथ एंड इंजन बोरिंग मशीन का कारखाना स्थापित किया, तब यह केवल एक उद्योग नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता की घोषणा थी।

राष्ट्रप्रेम: हिंदी सत्याग्रह में जेल गए

आमतौर पर देखा जाता है कि जैसे-जैसे उद्योग बढ़ता है, सामाजिक सरोकार घटते जाते हैं। लेकिन चौधरी मित्रसेन इस प्रवृत्ति के अपवाद थे। एक ओर उनका औद्योगिक विस्तार उड़ीसा के बड़विल से होते हुए देश-विदेश तक पहुंचा, तो दूसरी ओर वे समाजसेवा में भी उतने ही सक्रिय रहे। 1957 के हिंदी सत्याग्रह में वे जेल गए जो यह दर्शाता है कि उनके लिए राष्ट्रप्रेम केवल भाषण नहीं, व्यवहार था।

परिवार में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का समन्वय

चौधरी मित्रसेन का जीवन इस मिथक को तोड़ता है कि उद्योग और उनके परिवार में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का समन्वय दिखता है। पंच महायज्ञ, ईश्वर उपासना, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना यह सब आज भी उनके परिवार की पहचान है। चौधरी मित्रसेन जी ने आर्य मर्यादाओं के अनुरूप अपने गृहस्थ आश्रम का निर्वाह किया। उन्होंने अपने घर में जिन मर्यादाओं और संस्कारों की प्रतिष्ठा की, वे आज भी उनके परिवार की जीवनशैली में जीवंत रूप से विद्यमान हैं। उनका घर केवल निवास स्थान नहीं, बल्कि एक जीवंत इतिहास है जहां आर्यावर्त की गौरवगाथा दीवारों पर अंकित है।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम् ।(ऋग्वेद)
अर्थात-संपूर्ण विश्व को श्रेष्ठ और उदात्त बनाना ही मानव का कर्तव्य है।

चौधरी मित्रसेन जी का जीवन इस वैदिक भाव का सजीव उदाहरण था। उन्होंने समाजहित को अपने जीवन का उद्देश्य मानते हुए समय, पुरुषार्थ और धन तीनों का समर्पण निरंतर भाव से किया। उनके चिंतन और आचरण में बुद्धिमत्ता, पुरुषार्थ, साहस तथा उदारता का ऐसा समन्वय दृष्टिगोचर होता है, जिसने समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अनुकरणीय मानदंड स्थापित किए। यद्यपि चौधरी मित्रसेन जी की नश्वर देह को इस संसार से विदा हुए 15 स्थापित औद्योगिक उपक्रम, शिक्षण संस्थान, गुरुकुल तथा विविध सामाजिक न्यास आज भी सक्रिय हैं और यह अहसास करवाते हैं कि चौधरी साहब हमारे आसपास ही हैं। वे अपने कीर्तिमय जीवन से सतत मार्गदर्शन करते हैं। उनके विचार आज भी इन अमृतवचनों के रूप में समाज को दिशा देते हैं कि सफलता का मूलमंत्र आस्तिक भाव से ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करते हुए, नेक इरादों और हंसते-हंसते पुरुषार्थ करना है।

शिक्षा संस्थान और उद्योग

चौधरी मित्रसेन द्वारा अनेक गुरुकुल विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई। शिक्षा को समाज निर्माण का आधार मानते हुए उन्होंने इन संस्थानों के माध्यम से संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिया। वर्तमान में चौधरी मित्रसेन का व्यावसायिक साम्राज्य देश के विभिन्न राज्यों में फैला हुआ है। उनके द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में विविध प्रकार के व्यवसाय संचालित किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में कोल वॉशरी, खनिज खनन तथा ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में उनका प्रभावशाली कार्य है। इसके साथ-साथ थर्मल पावर प्लांट व अन्य उद्योग भी प्रारंभ होकर सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। वित्तीय क्षेत्र में भी उनके व्यवसाय सक्रिय हैं। होटल व्यवसाय और वित्तीय कंपनियों के अतिरिक्त मीडिया क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। उनके द्वारा लगाया गया पौधा दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी अपनी विशेष पहचान बना चुका है। 'हरिभूमि' देश के दस सर्वाधिक पाठक संख्या वाले हिंदी दैनिक समाचार पत्रों में सम्मिलित रहा है।

परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से समाजसेवा की मिसाल

पिछले कई वर्षों से चौधरी मित्रसेन ने अपना जीवन समाजसेवा को समर्पित करते हुए परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से मानव कल्याण का एक सशक्त अभियान खड़ा किया है। उनका मानना है कि सच्ची सेवा वही है, जो समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के साथ यह संस्थान वंचित, गरीब और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के जरिए न केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय योगदान दिया जा रहा है। समाजसेवा में जुटे विभिन्न संगठनों और संस्थानों को आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और सहयोग देकर उनकी कार्यक्षमता को मजबूत किया जा रहा है, ताकि समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाया जा सके। चौधरी मित्रसेन के नेतृत्व में परममित्र मानव निर्माण संस्थान आज केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुका है। यह संस्थान समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना संभव है।

मित्र स्मृति स्तंभ सांस्कृतिक धरोहर

"यं पूर्वे ऋषयो विदुः।"(ऋग्वेद)
अर्थात—जिस पथ पर पूर्वज ऋषि चले, वही लोकमंगल का मार्ग है।

प्रायः यह देखा जाता है कि जहां लक्ष्मी का निवास होता है, वहां सरस्वती का अभाव रहता है, किंतु चौधरी मित्रसेन जी के परिवार में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का समन्वित वास है।

यह उनकी और उनके परिवार की सारस्वत अभिरुचि का ही परिणाम है कि उनके आश्रम तुल्य गृह की चारदीवारी पर सृष्टि के प्रारंभ से लेकर आज तक के आर्यावर्त के इतिहास की गौरवमयी झलकियां अंकित हैं, जो सभी को रोमांच और आत्मगौरव से भर देती हैं। खांडाखेड़ी गांव में बनाए गए मित्र स्मृति स्तंभ में प्रदर्शित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलकियां यह स्पष्ट करती हैं कि उनका परिवार न केवल उनकी आर्थिक विरासत का, बल्कि सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी पूर्ण निष्ठा से संरक्षण कर रहा है।

खबर संक्षेप

एचसीएल टेक फिनर्जिक का करेगी अधिग्रहण

नई दिल्ली। घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक ने कहा कि वह सिंगापुर स्थित आईटी सेवा एवं परामर्श कंपनी फिनर्जिक सॉल्यूशंस का 1.9 करोड़ सिंगापुर डॉलर (लगभग 136 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने कहा कि यह अधिग्रहण वित्तीय सेवाओं, खासकर मुख्य बैंकिंग एवं संपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के रणनीतिक प्रयास से मेल खाता है। एचसीएल टेक ने एक बयान में कहा कि अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं और यह लेनदेन 30 अप्रैल, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

करूर वैश्य बैंक के लाभ में 39 फीसदी की वृद्धि

मुंबई। निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 39 प्रतिशत बढ़कर 690 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 496 करोड़ रुपये था। बैंक ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 14.62 प्रतिशत बढ़कर 1,239 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,081 करोड़ रुपये थी। ऋणों में 17 प्रतिशत की वृद्धि से आय को समर्थन मिला।

श्रीराम फाइनेंस के लाभ में 22 फीसदी की गिरावट

मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) श्रीराम फाइनेंस ने शुक्रवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत घटकर 2,530 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने पिछले साल की इसी तिमाही में 3,249 करोड़ रुपये और पिछली तिमाही (सितंबर तिमाही) में 2,314 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

ट्रंप के टैरिफ से भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट को भारी नुकसान, बंद हो जाएंगी फैक्ट्रियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय निर्यातकों को नुकसान पहुंच रहा है। खासकर, टेक्सटाइल एक्सपोर्ट पर इसके बुरे असर को देखते हुए अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) ने सरकार से यह कहते हुए कि तुरंत दखल देने की मांग की है कि देरी से प्रोडक्शन में कटौती और फैक्ट्रियां बंद हो जाएंगी।

वाइस-प्रेसिडेंट सीपी राधाकृष्णन को लिखे एक पत्र में अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि अपैरल गारमेंट इंडस्ट्री को सपोर्ट और सही कार्रवाई की सख्त जरूरत है। यदि समय रहते सरकार कदम नहीं उठाती है तो कई गारमेंट कंपनियों भारत की बंद हो सकती है। लेटर में यह भी कहा गया, 'हाल ही में अमेरिका की तरफ से आयात पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ और रूसी तेल से जुड़ी 25 प्रतिशत की एक्स्ट्रा पेनल्टी लगाने से भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में, खासकर अमेरिका में, जो भारत का सबसे बड़ा सिंगल एक्सपोर्ट मार्केट है, गंभीर रुकावट आ रही है।'

ऑर्डर रुकने व नौकरियां जाने का खतरा

इसमें कहा गया कि अगर तुरंत इसका हल नहीं निकला, तो इस सेक्टर को ऑर्डर रुकने, नौकरियां जाने और मार्केट शेयर का परमानेंट नुकसान हो सकता है।

अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की सरकार से दखल देने की मांग

अमेरिका भारतीय कपड़ों का बड़ा बाजार

अमेरिका भारतीय टेक्सटाइल और अपैरल का बहुत बड़ा बाजार है। कारोबारी साल 2024-25 में अमेरिका के लिए भारत का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 36.61 अरब डॉलर का रहा। ऐसे में ट्रंप के लगाए गए टैरिफ से टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एईपीसी के चेयरमैन ने कहा है कि देश के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट को बचाने के लिए भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ के मुद्दों को तुरंत सुलझाने की जरूरत है। कई बड़े भारतीय टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स के लिए अमेरिकी बाजार उनके टोटल एक्सपोर्ट का लगभग 70 प्रतिशत है।

नुकसान उठाने की और क्षमता नहीं

काउंसिल ने कहा कि 25 परसेंट डिस्काउंट के बाद भी टैरिफ का बोझ उठाना कमर्शियली नामुमकिन है और लागत को खरीदारों पर डालना भी सही नहीं है। काउंसिल ने भारत-अमेरिका व्यापार संधि को तुरंत खत्म करने की सिफारिश की है। इसमें कहा गया है, 'टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने एक्सपोर्ट और रोजगार की रक्षा के लिए राष्ट्रीय हित में पहले ही काफी नुकसान उठाया है। अब और नुकसान सहने की क्षमता नहीं है। 3-6 महीने की देरी से भी एक रणनीतिक एक्सपोर्ट सेक्टर को स्थायी नुकसान हो सकता है।'

अब तक का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता

भारत-यूरोपीय संघ कल वार्ता पूरी होने की करेगा घोषणा, 18 साल का इंतजार होगा खत्म

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) 27 जनवरी को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता संपन्न होने और इसे अंतिम रूप देने की घोषणा करने के लिए तैयार हैं। एक अधिकारी के अनुसार, इस समझौते का उद्देश्य अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक व्यापार में जारी व्यवधानों के बीच दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है।

- इसकी वार्ता वर्ष 2007 में शुरू हुई थी

18 साल के लंबे इंतजार के बाद यह समझौता अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। इसकी वार्ता वर्ष 2007 में शुरू हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को अब तक का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता ''मदर ऑफ ऑल डील्स'' करार दिया है। अधिकारी ने बताया कि वार्ता के समापन की घोषणा यहां आयोजित होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान की जाएगी।

खास बातें

- समझौते का उद्देश्य आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना
- समझौते को यूरोपीय संसद की मंजूरी की आवश्यकता होगी

भारत उच्च शुल्क का सामना कर रहा

भारत वर्तमान में वहां 50 प्रतिशत तक के उच्च शुल्क का सामना कर रहा है। माना जा रहा है कि यह एफटीए भारतीय निर्यातकों को अपने बाजार विविधीकरण और चीन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। भारत इस समझौते के जरिए अपने कपड़ा, चमड़ा और हथकरघा जैसे क्षेत्रों के लिए शुन्य-शुल्क बाजार पहुंच की तलाश में है।

यूरोपीय संघ भारतीय बाजार में पहुंच चाहता है

दूसरी ओर, यूरोपीय संघ अपने ऑटोमोबाइल निर्यात, वाइन और हाई-टेक विनिर्माण क्षेत्रों के लिए भारतीय बाजार में अधिक पहुंच चाहता है। संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्रों को फिलहाल इस समझौते से बाहर रखा गया है ताकि छोटे और सीमांत किसानों के हितों की रक्षा की जा सके। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

आयोग की अध्यक्ष पहुंची भारत

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 24 जनवरी को चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंच चुकी हैं। वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर वार्ता करेंगी। हालांकि वार्ता पूरी होने की घोषणा इसी सप्ताह हो जाएगी, लेकिन मसौदे की कानूनी समीक्षा के बाद इसे आपसी सहमति वाली तारीख पर हस्ताक्षरित किया जाएगा।

भारत में समझौते पर कैबिनेट की मुहर जरूरी होगी

इसके क्रियान्वयन में थोड़ा समय लग सकता है क्योंकि इसे यूरोपीय संसद की मंजूरी की आवश्यकता होगी, जबकि भारत में इसे केवल केंद्रीय मंत्रिमंडल की अनुमति चाहिए। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष आपसी व्यापार वाली 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क को कम या समाप्त करेंगे।

कपड़ा और फुटवियर के उत्पादों पर शुल्क समाप्त हो सकता है

कपड़ा और फुटवियर जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों के उत्पादों पर शुल्क पहले ही दिन से समाप्त हो सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुओं पर इसे पांच से दस वर्षों में चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

अगले वित्त वर्ष में नरम पड़ सकती है 'लक्जरी' घरों की मांग: सर्वेक्षण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के प्रमुख शहरों में 'लक्जरी' घरों की मांग और कीमतों में अगले वित्त वर्ष (2026-27) के दौरान कुछ नरमी देखने को मिल सकती है। संपत्ति सलाहकार 'इंडिया सोदबी इंटरनेशनल रियलिटी' (आईएसआईआर) के एक ताजा सर्वेक्षण में शामिल 56 प्रतिशत अमीर उत्तरदाताओं ने इस ओर इशारा किया है।

- संपत्ति सलाहकार आईएसआईआर ने जारी की रिपोर्ट

आईएसआईआर ने भारत की आर्थिक वृद्धि संभावनाओं, निवेश रणनीतियों और लक्जरी आवासीय बाजार के प्रति नजरिया जानने के लिए लगभग 700 उच्च निवल संपत्ति वाले व्यक्तियों (एचएनआई) और अत्यधिक उच्च निवल संपत्ति वाले व्यक्तियों (यूएचएनआई) के बीच यह सर्वेक्षणक्षण किया है। रविवार को जारी रिपोर्ट 'द इंडिया लक्जरी रेजिडेंशियल आउटलुक 2026' के अनुसार, वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद 67 प्रतिशत अमीर भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर आश्वस्त हैं। आर्थिक परिदृश्य की बात करें तो 72 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 6-7 प्रतिशत के दायरे में रहेगी। जब सर्वेक्षण में यह पूछा गया कि क्या लक्जरी आवासीय बाजार की वर्तमान मजबूती 2026-27 में कम होगी, तो 56 प्रतिशत ने 'हां' में उत्तर दिया।

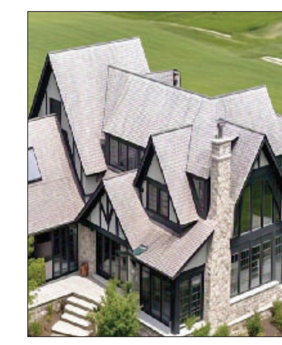

शहरों में लक्जरी आवास का बाजार शानदार रहा

आईएसआईआर के प्रबंध निदेशक अमित गोयल ने कहा कि 2025 में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, गोवा और अलीबाग जैसे प्रमुख शहरों में लक्जरी आवासीय बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने बताया कि अब स्थापित व्यावसायिक घरानों के साथ-साथ स्टार्टअप संस्थापकों, नयी पीढ़ी के उद्यमियों और वरिष्ठ पेशेवरों जैसे 'नए धन सृजनकर्ताओं' ने भी बाजार में कदम रखा है।

भारत का तेल आयात के लिए फिर से अरब देशों की ओर रुख

नई दिल्ली। भारत ने कच्चे तेल के आयात की रणनीति में बदलाव करते हुए कम जोखिम वाली आपूर्ति पर जोर दिया है। इसमें पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सीमित मात्रा में रूस से आपूर्ति भी बनी हुई है। विश्लेषण फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार जनवरी के पहले तीन हफ्तों में रूसी कच्चे तेल का आयात गिरकर लगभग 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो पिछले महीने औसतन 12.1 लाख बैरल प्रतिदिन और मध्य 2025 में 20 लाख बैरल प्रतिदिन से थोड़ा अधिक था। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 90 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। केप्लर के आंकड़ों के अनुसार इराक अब रूस के बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जबकि दिसंबर 2025 में यह औसतन 9,04,000 बैरल प्रतिदिन था। सऊदी अरब से आने वाली मात्रा भी इस महीने बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रतिदिन हो गई है, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रतिदिन और अप्रैल 2025 में 5,39,000 बैरल प्रतिदिन थी। रूस 2022 में इराक को पीछे छोड़कर भारत का शीर्ष आपूर्तिकर्ता बन गया था, जब भारतीय रिफाइनरी ने भारी छूट वाले रूसी तेल को खरीदने के लिए तेजी दिखाई थी। दरअसल यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया था।

पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ी

केप्लर के शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, ''जनवरी 2026 में भारत की कच्चे तेल की खरीद कम जोखिम वाली और अधिक विश्वसनीय आपूर्ति की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाती है। इसमें पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सीमित मात्रा में रूस का प्रवाह भी बना हुआ है।''

राशिफल

मेष — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष — कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर — वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के लिए वदिश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

डीसीसीडीएल की किराया आय 18 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रियल्टी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डीएलएफ और जीआईसी के संयुक्त उद्यम डीसीसीडीएल की किराया आय दिसंबर तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 1,412 करोड़ रुपये रही। कार्यालय और खुदरा स्थल की मजबूत मांग के कारण यह वृद्धि दर्ज की गई है।

डीएलएफ की ताजा निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, ''डीएलएफ साइबर सिटी डेवलपर्स लिमिटेड (डीसीसीडीएल) की किराया आय पिछले साल इसी अवधि में 1,193 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ की डीसीसीडीएल में लगभग 67 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष इक्विटी हिस्सेदारी सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी के पास है।'' इस समय डीसीसीडीएल के पास कुल 4.43 करोड़ वर्ग फुट का परिचालन पोर्टफोलियो है, जिसमें प्रमुख कार्यालय और खुदरा स्थल शामिल हैं।

आगामी आम बजट से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महत्वपूर्ण घटनाक्रम से भरे इस सप्ताह में कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर पर फैसले और आगामी आम बजट 2026-27 से शेयर बाजार का रुख तय होगा। गणतंत्र दिवस के कारण सोमवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे।

- कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे प्रभावित करेंगे बाजार

विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधि, रुपया-डॉलर का रुख और वैश्विक व्यापार से संबंधित घटनाक्रम भी बाजार में कारोबार को प्रभावित करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। बजट पेश होने के दिन रविवार है, लेकिन इस दिन शेयर बाजार एनएसई और बीएसई खुले रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, ''यह सप्ताह महत्वपूर्ण घरेलू और वैश्विक कारकों से भरा हुआ है। घरेलू मोर्चे पर बाजार औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों, आम बजट से जुड़े राजकोषीय संकेतकों और साप्ताहिक विदेशी मुद्रा भंडार पर नजर रखेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी नजर रहेगी, जिसमें एक्सिस बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, आईटीसी, एनटीपीसी और बजाज ऑटो जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे।'' उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक स्तर पर ध्यान अमेरिका के प्रमुख व्यापक आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे घटनाक्रमों पर रहेगा।

रुपए के अवमूल्यन से अनिश्चितता बढ़ी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''एफपीआई ने 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में अपनी बिकवाली न केवल जारी रखी, बल्कि इसकी तीव्रता भी बढ़ा दी। रुपये के निरंतर अवमूल्यन, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता और अब तक के सामान्य तिमाही नतीजों के कारण बाजार की धारणा बहुत कमजोर रही है।''

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस को नुकसान

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कमजोर रुख के कारण पिछले सप्ताह शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार मूल्यांकन 2.51 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 2,032.65 अंक या 2.43 प्रतिशत टूट गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, ''समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई और मंदड़िए पूरी तरह हावी रहे। कमजोर वैश्विक संकेतों, निरंतर एफआईआई की निकासी, रुपये के गिरते मूल्य और सामान्य कॉरपोरेट नतीजों ने पूरे सप्ताह दबाव बनाए रखा।'' रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सहित शीर्ष 10 में नौ सबसे मूल्यवान कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 2,51,711.6 करोड़ रुपये घट गया।

आरबीआई बैंकों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की नकदी डालेगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह कई माध्यमों से बैंकिंग प्रणाली में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की नकदी डालेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 'मौजूदा नकदी और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने का निर्णय लिया है।' इन उपायों में 30 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाने वाली 25,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए 90 दिवसीय वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी और चार फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर यानी 91,000 करोड़ रुपये की ''अमेरिकी डॉलर / भारतीय रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी शामिल है। बयान के अनुसार केंद्रीय बैंक खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) मार्ग के तहत कुल एक लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीद भी करेगा। बयान के मुताबिक इसके तहत पांच फरवरी और 12 फरवरी को 50-50 हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे जाएंगे।

शब्द पहेली - 6120

बाएँ से दाए

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6119 का हल

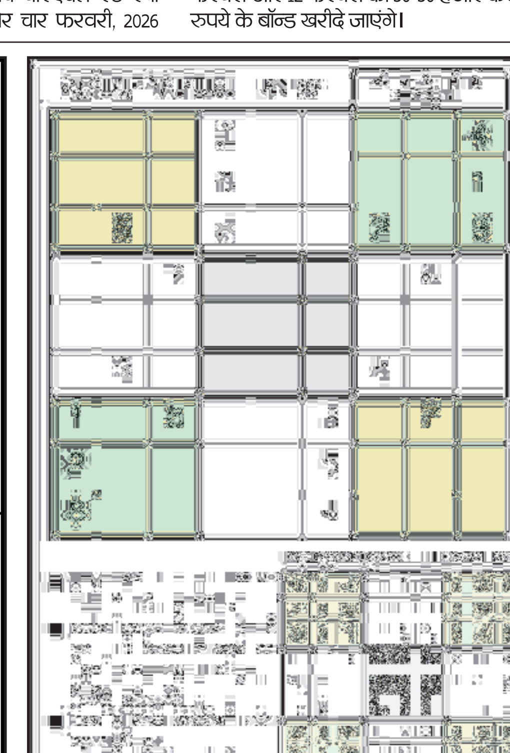

सीधे सेटों में जीते अल्काराज, सबालेंका और गॉफ, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की कोशिश में लगे अल्काराज ने टॉमी पॉल पर 7-6 (6), 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कनाडा की नंबर 17 विक्टोरिया एमबोको को 6-1, 7-6 (1) से हराया। सबालेंका का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला 18 वर्षीय इवा जोविच से होगा। इस 29वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 53 मिनट में 6-0, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। खिताब की एक अन्य दावेदार कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में लगातार तीसरे वर्ष क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने 19वीं रैंकिंग की खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 3-6, 6-3 से हराया।

अल्काराज ने अपने खेल में किए बदलाव

अल्काराज ने अपने खेल में कुछ बदलाव किए, जो इस मैच में कारगर साबित हुए। उन्होंने कोई डबल-फॉल्ट नहीं किया, अपनी पहली सर्विस को 70 प्रतिशत सही जगह पर पहुंचाया और उनमें से 79 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्विस पर भी 68 प्रतिशत अंक जीते।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

सबालेंका ने एमबोको को 31 मिनट में हराया

वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पिछले चार वर्षों में तीसरा खिताब जीतने की कवायद में लगी सबालेंका ने अपनी दमदार सर्विस का शानदार नमूना पेश करते हुए कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी को केवल 31 मिनट में हरा दिया। सबालेंका दूसरे सेट में उतनी हावी नहीं रहीं और उन्होंने कुछ बेजा गलतियां की। इस सेट में एमबोको ने अच्छा खेल दिखाया।

जोकोविच का मिला वाकओवर क्वार्टर फाइनल में एंट्री

रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच कोर्ट पर उतरे बिना ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं क्योंकि चौथे दौर में उनके प्रतिद्वंदी जैकब मेनसिक ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव कारण 24 घंटे पहले ही रविवार को अपना नाम वापस ले लिया। इससे अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को वाकओवर मिल गया। आयोजकों ने मेनसिक के नाम वापस लेने की पुष्टि की। यह मैच सोमवार रात को रॉड लेवर एरिना में खेला जाना था।मेनसिक ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों के बाद मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा था। समस्या मेरे पेट की बाईं तरफ की मांसपेशियों में है। अगर मैं सोमवार को कोर्ट पर उतरता हूं तो यह मेरे स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है।'

खबर संक्षेप

सऊदी अरब ने किया एशियाई शीतकालीन खेलों को स्थगित

दुबई। सऊदी अरब की ओलंपिक समिति और एशियाई ओलंपिक परिषद ने 2029 एशियाई शीतकालीन खेलों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने पर सहमति जताई है। इन खेलों का आयोजन सऊदी अरब की भविष्यवादी शहर परियोजना एनईओएम के एक पर्वतीय रिसॉर्ट में होने वाला था। एशियाई ओलंपिक परिषद ने कहा कि दोनों संगठनों ने खेलों की मेजबानी के लिए 'भविष्य के लिए एक अपडेटिड ढांचे' पर सहमति बनाई है और खेलों को स्थगित किया जाएगा और इन्हें बाद की किसी तारीख में कराया जाएगा, जिसकी घोषणा आने वाले समय में की जाएगी।

बांग्लादेश का टी20 विश्व कप से बाहर होना दुखदः डब्ल्यूसीए

लंदन। विश्व क्रिकेट संघ (डब्ल्यूसीए) ने टी20 विश्व कप से बांग्लादेश के बाहर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ''एक दुखद क्षण'' है जिस पर ''गहन चिंतन'' करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को पुष्टि की कि सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। आईसीसी ने कहा कि यह ''मुश्किल फैसला'' इसलिए किया गया क्योंकि टूर्नामेंट से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के उसकी टीम के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को पूरा करना संभव नहीं था।

स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में उलटफेर करने से चूकी अनाहत

नई दिल्ली। उभरती हुई स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को न्यूयॉर्क में स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में जापान की विश्व में सातवें नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ उलटफेर करने की स्थिति में पहुंचने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। अपने पहले पीएसए प्लैटिनम-स्तरीय टूर्नामेंट में भाग ले रही महिला रैंकिंग में विश्व की 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने शुरुआती दो गेम जीते, लेकिन जापान की छठी वरीयता प्राप्त अनुभवी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 6-11, 6-11, 11-2, 11-8, 11-6 से जीत हासिल की।

भारत ने 10 ओवर में 154 रन चेज किए, शर्मा की 14 गेंद पर फिफ्टी

अभिषेक और सूर्यकुमार का धमाका, भारत ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर जीती श्रृंखला

सीरीज का चौथा मैच 28 जनवरी को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने महज 14 गेंद में पांच चौके और चार छक्के से धमाकेदार अर्धशतक जड़ा जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक और आक्रामक पचासा लगाकर शानदार फॉर्म जारी रखी जिससे भारत ने रविवार को यहां तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को 10 ओवर में आठ विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला अपने नाम कर ली। भारत ने 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पावर-हिटिंग से इस मुकाबले को एकतरफा बना दिया जिसमें अभिषेक ने 20 गेंद में सात चौके और पांच छक्के से नाबाद 68 रन जबकि सूर्यकुमार ने 26 गेंद में छह चौके और तीन छक्के से नाबाद 57 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए महज 40 गेंद में 102 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने 10 ओवर में दो विकेट पर 155 रन बनाकर श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। श्रृंखला का चौथा मैच 28 जनवरी को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। कलाई के स्पिनर रवि बिश्नोई ने अनुभवी जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ मिलकर शानदार गेंदबाजी करते हुए वापसी की जिससे भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवर में नौ विकेट पर 153 रन पर रोक दिया। अभिषेक अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से भारत की ओर से दूसरे सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए। भारतीयों में युवराज सिंह के नाम 12 गेंद में अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड है और अभिषेक अपने मेंटोर से महज दो गेंद पीछे रहे गए। भारत की शुरूआत हालांकि अच्छी नहीं रही, उसने शुरू में ही विकेट गंवा दिया। शीर्ष क्रम में संजू सैमसन का संघर्ष जारी रहा और वह पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मैट हेनरी की गेंद पैड से टकराकर ऑफ-स्टंप से जा लगी। सैमसन का अभी तक इस श्रृंखला में स्कोर 10, 6 और शून्य रहा है। इससे उनकी जगह पर और दबाव बढ़ गया है क्योंकि ईशान किशन अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से मजबूत दावा पेश कर रहे हैं। रायपुर में मैच जिताने वाली 76 रन की पारी खेलने के बाद ईशान ने एक ही ओवर में हेनरी को दो छक्के और एक चौका जड़ दिया।

न्यूजीलैंडः153/9 (20)

खिलाड़ी	रन
डेवोन का हार्दिक बो राणा	01
टिम सिफर्ट बो बुमराह	12
रचिन का बिश्नोई बो हार्दिक	04
ग्लेन का किशन बो बिश्नोई	48
मार्क का सैमसन बो बिश्नोई	32
मिचेल का किशन बो हार्दिक	14
सैंटनर का अभिषेक बो बुमराह	27
काइल जैमीसन बो बुमराह	03
मैट हेनरी रन आउट	01
ईश सोढी नाबाद	02
जैकब डफी नाबाद	04

अतिरिक्त : 05
कुलः 20 ओवर में नौ विकेट पर 153 रन
गेंदबाजीः राणा 4-0-35-1, पंड्या 3-0-23-2, रवि 4-0-18-2, बुमराह 4-0-17-3, कुलदीप 3-0-32-0, दुबे 2-0-24-0

भारत-155/2 (10)

खिलाड़ी	रन
संजू सैमसन बो हेनरी	00
अभिषेक शर्मा नाबाद	68
ईशान का चैपमैन बो सोढ़ी	28
सूर्यकुमार यादव नाबाद	57

अतिरिक्त : 02
कुल : 10 ओवर में दो विकेट पर 155 रन
गेंदबाजीः हेनरी 2-0-28-1, डफी 2-0-38-0, काइल 1-0-17-0, सोढ़ी 2-0-28-1, सैंटनर 2-0-28-0, ग्लेन 1-0-16-0

शानदार फॉर्म में सैन्यम और गौरव, जीता एयर पिस्टल का फाइनल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चंडीगढ़ की सैन्यम और उत्तर प्रदेश के गौरव कुमार ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चयन ट्रायल एक और दो के अंतिम दिन महिला और पुरुष वर्ग के 10 मीटर एयर पिस्टल ट्रायल दो के फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल किया।विश्व कप फाइनल की रजत पदक विजेता सैन्यम ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए फाइनल में 243.1 के प्रभावशाली स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जो रिदम सांगवान (237.7) से 5.4 अंक अधिक था।मीनू पाठक ने फाइनल में 218.5 का स्कोर बनाकर एक बार फिर शीर्ष तीन में जगह बनाई।

आठवें स्थान पर रहीं सुरुचि सिंह

इससे पहले क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि सिंह ने 587 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन फाइनल में वह आठवें स्थान पर रही। पलक ने क्वालीफाइंग राउंड में 579 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया लेकिन फाइनल में उन्हें 178.2 का स्कोर बनाकर पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा। अनुभवी श्वेता सिंह ने 578 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में वह छठे स्थान पर रहीं। मीनू पाठक ने क्वालीफाइंग राउंड में 577 और प्रिया मुरलीधर ने 576 अंक हासिल किए। रिदम सांगवान और सैन्यम ने भी 576 अंक बनाए जबकि दिव्या टीएस ने 575 अंकों के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई।

टी2 के फाइनल में शीर्ष स्थान पर गौरव

गौरव ने ट्रायल एक में दूसरे स्थान पर रहने के अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए टी2 के फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल किया। गौरव ने 584 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने फाइनल में 245.5 का स्कोर बनाकर पहला स्थान हासिल किया।

फुटबॉल लीग ला लिगा

टॉप पर रियाल मैड्रिड, दूसरे स्थान पर खिसका बार्सिलोना

एजेंसी ▶▶| बार्सिलोना

किलियन एमबापे के दो गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने विलारियाल को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में बार्सिलोना को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

■ एमबापे ने दागे दो गोल

एमबापे ने 47वें मिनट में पहला गोल किया और फिर इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल करके यह सुनिश्चित किया कि रियाल मैड्रिड अंकतालिका में बार्सिलोना से दो अंक आगे निकल जाए। बार्सिलोना को पहला स्थान वापस पाने के लिए अपने अगले मैच में सबसे निचले पायदान पर काबिज रियाल ओविएडो को हराना होगा।

इस जीत से रियाल 21 मैच में 51 अंक हो गए हैं जबकि बार्सिलोना के 20 मैच में 49 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड और विलारियाल के 20 मैच में 41 अंक हैं तथा वह क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। फ्रांस के स्टार खिलाड़ी एमबापे अभी तक ला लिगा में 21 गोल कर चुके हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर हैं।

महिला फुटबॉल टीम की कोच बनीं पामेला कोंटी

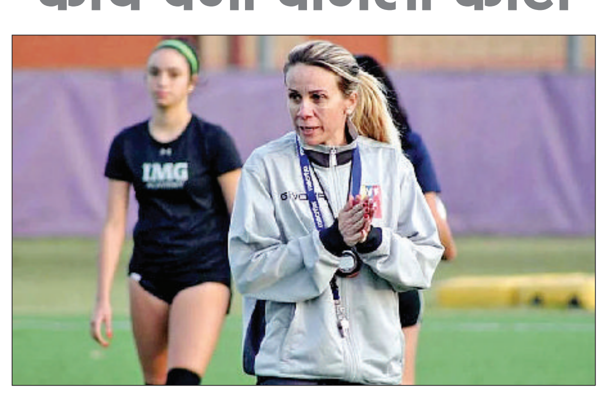

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इटली की पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पामेला कोंटी को भारतीय महिला अंडर-17 टीम की मुख्य कोच नियुक्त किया गया और वह इस साल भारत के एएफसी एशियाई कप अभियान की जिम्मेदारी संभालेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की यह इस महीने में राष्ट्रीय टीम के लिए की गई दूसरी नियुक्ति है।
इस महीने की शुरुआत में कोस्टा रिका की एमेलिया वाल्वर्डे को सीनियर महिला टीम का मेंटोर (मार्गदर्शक) नियुक्त किया गया था। 2015 और 2023 में फीफा महिला विश्व कप में कोस्टा रिका टीम का नेतृत्व करने वाली एमेलिया एक से 12 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी एशियाई कप तक टीम की देखरेख करेंगी। एएफसी महिला अंडर-17 एशियाई कप 30 अप्रैल से 17 मई तक चीन में आयोजित होगा। एआईएफएफ ने कहा कि 43 वर्षीय कोंटी अंडर-17 महिला टीम के महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी के ट्रेनिंग शिविर में शामिल हो गई हैं, जो आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में चल रहा है।
एआईएफएफ ने कहा, 'कोंटी के सहायक स्टाफ के रूप में उनके भाई विंसेंजो कोंटी सहायक कोच के रूप में टीम में शामिल होंगे।'निवेथा रामदोस सहायक कोच के रूप में बनी रहेंगी।

पर्थ स्कॉर्चर्स ने रिकॉर्ड छठी बार जीता बीबीएल का खिताब, सिडनी सिक्सर्स को 6 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| पर्थ

सिडनी सिक्सर्स को 6 विकेट से मात देकर पर्थ स्कॉर्चर्स ने रिकॉर्ड छठी बार बिग बैश लीग (बीबीएल) खिताब अपने नाम कर लिया है। इससे पहले पर्थ स्कॉर्चर्स ने 2013/14, 2014/15, 2016/17, 2021/22 और 2022/23 का खिताब अपने नाम किया था। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी सिडनी सिक्सर्स पारी की अंतिम गेंद पर 132 के स्कोर पर सिमट गई।

इस टीम को डेनियल ह्यूज (7) के रूप में पहला झटका लगा। यहां से जोश फिलिप ने स्टीव स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। स्मिथ 13 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद फिलिप ने कप्तान मोइसेस हेनरिक्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 32 रन जोड़े। फिलिप और हेनरिक्स 24-24 रन बनाकर आउट हुए। विपक्षी खेमे से झाय रिचर्डसन और डेविड पायने ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि महली बियर्डमैन ने 2 विकेट निकाले। आरोन हार्डी को 1 सफलता हाथ लगी।

स्कॉर्चर्स ने 17.3 ओवरों में मैच किया अपने नाम

इसके जवाब में पर्थ स्कॉर्चर्स ने 17.3 ओवरों में खिताबी मैच अपने नाम कर लिया। इस टीम को मिचेल मार्श और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 50 गेंदों में 80 रन की साझेदारी की। फिन 22 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 36 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद टीम ने आरोन हार्डी (5) का विकेट भी खो दिया। इसके बाद मार्श ने जोश इंगलिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 33 रन जुटाकर टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया। मार्श 43 गेंदों में 2 छक्कों और 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद जोश ने मोर्चा संभाला। जोश इंगलिस ने 29 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से सीन एबॉट ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, मिचेल स्टार्क और जैक एडवर्ड्स ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

सलमान करेंगे कप्तानी, रिजवान और रऊफ बाहर, बाबर आजम को मौका

पाक ने किया टी20 विश्व कप के लिए स्क्वॉड का ऐलान

एजेंसी ▶▶| लाहौर

बांग्लादेश से समर्थन में टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने की धमकी देने के ठीक एक दिन बाद ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। टी20 विश्व कप के लिए सलमान अली आगा के नेतृत्व में पीसीबी ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप की टीम में पूर्व कप्तान और सीनियर खिलाड़ी बाबर आजम को शामिल किया है, लेकिन तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को मौका नहीं दिया है। हाल ही में बीबीएल में बाबर, रिजवान और हारिस तीनों का ही प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, लेकिन बाबर विश्व कप टीम में अपनी जगह बनाए रखने में कामयाब रहे हैं।

मोहम्मद नफे विकेटकीपर

टीम में विकेटकीपर के रूप में ख्वाजा मोहम्मद नफे को मौका दिया गया है। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को भी विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है। संभव है वही विकेटकीपिंग की भूमिका निभाते दिखेंगे। फरहान घरेलू टी20 मैचों में विकेटकीपिंग करते रहे हैं। टीम में उस्मान खान भी हैं, जो विकेटकीपर हैं। मोहम्मद नवाज और शादाब खान अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से टीम को संतुलन देते हुए नजर आएंगे। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में फहीम अशरफ को भी मौका दिया गया है। हारिस रऊफ की गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी कमान शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह संभालेंगे।

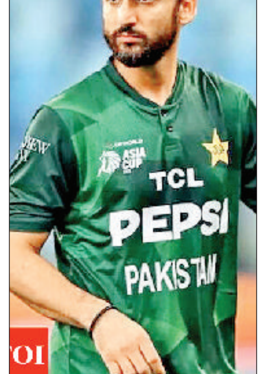

भारत, नीदरलैंड, यूएसए के साथ ग्रुप ए में पाकिस्तान

विश्व कप की शुरुआत 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हो रही है। पाकिस्तान को भारत, नीदरलैंड, यूएसए और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। पाकिस्तान 7 फरवरी को नीदरलैंड, 10 फरवरी को यूएसए, 15 फरवरी को पाकिस्तान और 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ खेलेगा। पाकिस्तान अपने सभी ग्रुप मैच कोलंबो में खेलेगा।

विश्व कप के लिए पाक टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा मोहम्मद नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

'प्रोग्राम ऑफ द ईयर' से नवाजा गया आर्मी रोइंग नोडः नई दिल्ली। पुणे के कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग में स्थित आर्मी रोइंग नोड ने खेल के विकास में अपनी अहम भूमिका के लिए विश्व रोइंग का 'प्रोग्राम ऑफ द ईयर' पुरस्कार हासिल किया है। उसने इस पुरस्कार की दौड़ में फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ा। आर्मी रोइंग नोड (एआरएन) की स्थापना 2001 में हुई थी।

भारत ने इजराइली तकनीकी का किया इस्तेमाल

स्विस रिपोर्ट में हुआ खुलासा: ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने मचा दी थी तबाही...जिससे पाकिस्तान सीजफायर को हो गया मजबूर

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में भयंकर तबाही मचाई थी। इसी कारण पाकिस्तानी सेना सीजफायर के लिए भारत से गुहार लगाने लगी। यह खुलासा एक स्विस रिपोर्ट में किया गया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु श्रेष्ठता ने पाकिस्तान को सीजफायर के लिए मजबूर किया था। यह खुलासा स्विस थिंक टैंक सेंटर डी हिस्टोयर एट डे प्रॉस्पेक्टिव मिलिटेयर्स (सीएचपीएम) की एक विस्तृत सैन्य रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की ओर से शुरू किए गए चार दिवसीय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वायु श्रेष्ठता ने पाकिस्तान को सीजफायर के लिए मजबूर किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की एयरफोर्स ने जैसे ड्रोनों का इस्तेमाल किया, लेकिन भारतीय रक्षा प्रणाली को वह भेद नहीं सका। लिहाजा वे महत्वपूर्ण लक्ष्यों तक नहीं पहुंच सके।

भारत की रक्षा प्रणाली को नहीं भेद पाए पाक ड्रोन

पाकिस्तान के कई विमान भारत ने गिरा दिए थे

फाइल फोटो

क्या कहती है रिपोर्ट

पुली (स्विट्जरलैंड) स्थित और 1969 में स्थापित सीएचपीएम ने पिछले हफ्ते यह रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसका शीर्षक है 'ऑपरेशन सिंदूरः द इंडिया-पाकिस्तान एयर वॉर'...और इसे सेवानिवृत्त स्विस वायु सेना के मेजर जनरल एड्रियन फॉन्टानेलाज ने लिखा है। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी कैंपों पर हमला किया।

भारत ने इन विमानों से किया पाक पर हमला

भारत ने कम से कम एक एचक्यू-9 बैटरी पर हमला किया। इन ऑपरेशनों के संचयी प्रभाव से पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र की कवरेज की मात्रा और गुणवत्ता में भारी कमी आई। हमलों से बचने के लिए कई बचे रडार बंद हो गए, जिससे भारतीय विमानों के लिए आगे बढ़ना आसान हुआ। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की हमले की तैयारियों का पता लगाया और तुरंत जवाबी हमला किया। सू-30एमकेआई, जगुआर और राफेल से भारतीय हवाई क्षेत्र से ही ब्रह्मोस आदि मिसाइलें दागी गईं। इनसे पाकिस्तानी क्षेत्र में 200 किमी तक गहरे 7 ठिकानों पर हमला हुआ, जिसमें एक सतह-से-हवा मिसाइल बैटरी और 5 एयर बेस शामिल थे।

भारत ने पाक में मचाई तबाही

उत्तर पाकिस्तान में इस्लामाबाद के पास नूर खान एयर बेस पर कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर नष्ट हुआ। मुरिद एयर बेस (पीएएफ के मेल ड्रोन फ्लीट का केंद्र) पर कई हैंगर और कंट्रोल सेंटर क्षतिग्रस्त हुए। मध्य पाक में राहिम यार खान एयर बेस की रनवे पर कई हमले हुए और सिविलियन एयरपोर्ट टर्मिनल (ड्रोन कंट्रोल सेंटर) बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ। रफीकी एयर बेस भी निशाना बना। दक्षिण में सुक्कुर एयर बेस पर ड्रोन हैंगर और रडार पर हमला हुआ। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि भारत ने एस्केलेशन डोमिनेंस बनाए रखा।

अमेरिका के पावर हाउस ने दिल्ली में डाला डेरा

ईयू से फाइनल डील की भनक लगते ही ट्रंप के दूतों ने जयशंकर से मुलाकात की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक तरफ भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच एक बड़े व्यापार समझौते की चर्चाएं अंतिम दौर में हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने अपने 'पावर हाउस' कहे जाने वाले तीन दिग्गजों को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मिलने भेजा। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब वाशिंगटन और नई दिल्ली के रिश्ते एक नाजुक मोड़ पर हैं।

अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगा रखा है। इस तनाव के बीच, ट्रंप प्रशासन के करीबी राजदूत सर्जियो गोर की अगुवाई में माइक रोजर्स, एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस का भारत आना यह बताता है कि अमेरिका, भारत को अपने पाले से दूर नहीं जाने देना चाहता।

एचएएससी के चेयरमैनमाइक रोजर्स का भारत आना यह संकेत है कि भले ही ट्रेड को लेकर दोनों देशों में झगड़ा हो, लेकिन डिफेंस के मामले में अमेरिका भारत को नाराज नहीं कर सकता। भारत और अमेरिका के बीच जेट इंजन (जीई-414), ड्रोन्स और सेमीकंडक्टर को लेकर जो समझौते हुए हैं, उन्हें संसद से मंजूरी दिलाने में रोजर्स की भूमिका अहम है।

विदेश मंत्री जयशंकर से की मुलाकात

मुलाकात की खास टाइमिंग

भारत और ईयू के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लगभग फाइनल होने वाला है। अगर यह हो जाता है, तो जर्मन और फ्रेंच कंपनियों को भारत के विशाल बाजार में बिना टैक्स के एंट्री मिल जाएगी, जबकि अमेरिकी कंपनियों को भारी टैक्स देना होगा। अमेरिका कभी नहीं चाहेगा कि उसकी कंपनियां जैसे फोर्ड, टेस्ला या एप्पल यूरोपियन कंपनियों से पिछड़ जाएं। माइक रोजर्स और उनकी टीम का उद्देश्य यह टटोलना था कि भारत-ईयू डील कितनी आगे बढ़ी है और अमेरिका इसमें कहां फिट बैठता है।

ये हैं ट्रंप के तीन खास दूत

माइक रोजर्स: डिफेंस डील में महारथ

अलाअबामा से रिपब्लिकन सांसद माइक रोजर्स अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक हैं। वे 'हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी' (एचएएससी) के चेयरमैन हैं। अमेरिकी सेना को कब, कहां और कितना पैसा मिलेगा, यह माइक रोजर्स तय करते हैं। पेंटागन का बजट उनकी कलम से होकर गुजरता है।

एडम स्मिथ: विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा

वाशिंगटन राज्य से डेमोक्रेटिक सांसद एडम स्मिथ, 'हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी' में 'रैंकिंग मेंबर' हैं। इसका मतलब है कि वे इस कमेटी में विपक्ष (डेमोक्रेट्स) के सबसे बड़े नेता हैं। इससे पहले वे इस कमेटी के चेयरमैन रह चुके हैं। रक्षा मामलों में उनकी पकड़ उतनी ही मजबूत है जितनी माइक रोजर्स की। इनका अपना ओहदा है।

जिमी: ट्रंप के फायदा नुकसान बताने वाले

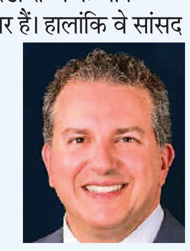

जिमी पैट्रोनिस फ्लोरिडा राज्य के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर हैं। हालांकि वे सांसद नहीं हैं, लेकिन डेलिगेशन में उनकी मौजूदगी सबसे दिलचस्प है। वे फ्लोरिडा से आते हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप का गृह राज्य है। वे ट्रंप के बेहद करीबी माने जाते हैं और रिपब्लिकन पार्टी के बिजनेस विंग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

टैरिफ वार का शॉक एब्जॉर्बर

डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाकर एक तरह से आर्थिक युद्ध का ऐलान किया है। इसके जवाब में भारत ने भी कड़े तेवर दिखाए हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब अमेरिका के राष्ट्रपति भारत के खिलाफ सख्त होते हैं, तब-तब वहां की संसद रिश्तों को बचाने के लिए आगे आती है। यह डेलिगेशन एक 'शॉक एब्जॉर्बर' की तरह काम कर रहा है। उनका संदेश है- व्हाइट हाउस के फैसलों से घबराइए मत, अमेरिकी संसद अभी भी भारत को एक दीर्घकालिक साझेदार मानती है।रूस-यूक्रेन का पेचः जयशंकर के साथ बातचीत में यूक्रेन का मुद्दा भी उठा।

चार दिवसीय यात्रा पर भारत आईं हैं डेर

भारत पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर, फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन शनिवार को राजकीय यात्रा पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचीं, जहां वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं।

उनके साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच गए हैं। यह यात्रा भारत के लिए दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण 'मुक्त व्यापार समझौता' है।

सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है।

महत्वपूर्ण डील होने की मुख्य वजह

- *यूरोपीय संघ एक ब्लॉक के रूप में भारत का सबसे बड़ा 'गुड्स ट्रेडिंग पार्टनर' (सामान का व्यापार करने वाला साझेदार) है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईयू के बीच कुल 136 अरब डॉलर (करीब 11 लाख करोड़ रुपये) का व्यापार हुआ। अच्छी बात यह है कि भारत ने इसमें 76 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि आयात 60 अरब डॉलर रहा।*
- *वैश्विक संकेत यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की आर्थिक और सुरक्षा नीतियों के कारण वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऐसे में दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र-भारत और यूरोपीय संघ-आपसी विश्वास और साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया, जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने इसे रणनीतिक साझेदारी का 'अगला चरण' बताया।*

भारत और अमेरिका रक्षा साझेदारी पर पहले ही समझौता भी कर चुके हैं

भविष्य में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया

अमेरिकी सेना सचिव और भारतीय सेनाध्यक्ष की मुलाकात, आर्मी-टू-आर्मी सहयोग पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूएस सेक्रेटरी ऑफ द आर्मी (अमेरिकी सेना सचिव) डैनियल पी. ड्रिस्कॉल व भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई है। इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने, मिलिट्री-टू-मिलिट्री सहभागिता को और गहन करने तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रति दोनों सेनाओं की साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने पर व्यापक चर्चा की गई।बैठक में दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी से संबंधित कई विषयों पर बातचीत की। भविष्य में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यासों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, पेशेवर आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण तथा आपसी समन्वय को और प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर विशेष जोर देते रहे हैं। अब सेना प्रमुख व अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ द आर्मी की यह मुलाकात दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक एवं रक्षा संबंधों को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह मुलाकात साझा मूल्यों, आपसी विश्वास और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के प्रति समान दृष्टिकोण पर आधारित है।

भारत और अमेरिका रक्षा साझेदारी पर एक ऐतिहासिक समझौता भी कर चुके हैं। कुछ महीने पहले भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीटर हेगसेथ से मुलाकात के दौरान 10 वर्षीय 'फ्रेमवर्क फॉर द यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप' पर हस्ताक्षर किए थे। रक्षा मंत्री ने कुआलालंपुर में अपने अमेरिकी समकक्ष पीटर हेगसेथ के साथ यह महत्वपूर्ण बैठक व समझौता किया था। इसके तहत दोनों देशों ने 10 वर्षों के लिए 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर किए थे।

इसके बाद भारत व अमेरिका के बीच 22वीं मिलिट्री कोऑपरेशन ग्रुप की बैठक भी हुई थी। इस बैठक में इस समझौते से जुड़े विषयों पर आगे की चर्चा हुई। इसमें रक्षा सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और संयुक्त प्रशिक्षण जैसे विषय शामिल थे।

भारत व अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक 3 व 4 नवम्बर को अमेरिका के हवाई में हुई थी। यह भारत–अमेरिका सैन्य सहयोग समूह की 22वीं बैठक थी। यह भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। उस बैठक में सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, उभरती प्रौद्योगिकियों का साझा उपयोग, रक्षा उद्योग सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता जैसे विषय शामिल थे।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षमता निर्माण के नए अवसरों पर मंथन

बीते दिनों भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी अमेरिका यात्रा पर गए थे। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षमता निर्माण के नए अवसरों पर भी विचार किया था। एडमिरल त्रिपाठी की इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय नौसेना और संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना के बीच पहले से प्रगाढ़ और सुदृढ़ समुद्री साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाना था। बीते नवंबर महीने में ही भारतीय वायुसेना और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायुसेना के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वायु अभ्यास को अंजाम दिया गया था। दोनों देशों के इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य वायु सेनाओं के बीच आपसी समझ, सामरिक सहयोग और अंतर संचालन क्षमता को बढ़ाना था।

हरिभूमि कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109